राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,21 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-270 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिल्डर की ऑफीस से 90 लाख की चोरी के मामले में मध्य प्रदेश से दो आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,शहर के सिटीलाइट रोड पर एक बिल्डर की ऑफीस में 10 दिन पहले हुई रु 90 लाख की चोरी के मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने मध्य प्रदेश के इंदौर से दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही चोरी की गई रकम भी बरामद कर ली। पकड़े गए दो आरोपियों में एक बिल्डर की ऑफीस में काम करता था। सूरत के न्यू सिटीलाइट रोड पर सेंट थोमस स्कूल की बगल में गोपाल डोकाणी नामक बिल्डर की ऑफीस है। जहां १० दिन पहले रु 90 लाख की चोरी हो गई थी। ऑफीस स्टाफ ने जब सीसीटीवी फूटेज चेक किए तो पता चला कि रविवार की रात दो नकाबपोश शख्सों ने एकाउन्टन्ट के कैबिन का ताला तोड़ा और भीतर घुसे और रु 90 लाख नकद चोरी कर पिछले दरवाजे से फरार हो गए। ऑफीस के पिछले दरवाजे से चोरों के निकलने से साफ हो गया कि किसी जानकार शख्स ने रु 90 लाख पर हाथ साफ किया है। बिल्डर गोपाल डोकाणी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। सूरत क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला कि गोपाल डोकाणी की ऑफीस में काम करने वाला मध्य प्रदेश का मूल निवासी एमपाल मंडलोई 15 दिन पहले ही नौकरी छोड़कर गया था। दो चोरों में से एक की चालढाल एमपाल मंडलोई जैसी होने का स्पष्ट होने पर क्राइम ब्रांच की टीम ने मध्य प्रदेश के इंदौर से एमपाल मंडलोई और उसके भाई नेपाल मंडलोई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि एमपाल मंडलोई गर्लफ्रेंट से शादी करने और परिवार का कर्ज चुकाने के लिए बिल्डर गोपाल डोकानी की ऑफीस में हाथ साफ किया था।

सूरत में नंदोई ने भाभी को चाकू मारा, नंदोई ने पहली मंजिल से कूदकर किया आत्महत्या का प्रयास

क्रांति समय ,सूरत

सूरत के पांडेसरा विनायक नगर के पड़ोस में रहने वाले नंदोई ने अपनी भाभी के सीने में चप्पू से वार कर आत्महत्या करने की कोशिश की है. नन्दोई द्वारा पहली मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास समाज में चर्चा का विषय बन गया है जब महिला को 108 में उसकी क्रूरता के बाद तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल डॉक्टर महिला को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका फिलहाल खून बह रहा है। दो बेटियों की मां पर जानलेवा हमले के लिए पारिवारिक कलह को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। डॉ. छाती के दाहिनी ओर डाली गई पैडल के साथ। आरती (चिकित्सा अधिकारी) ने कहा कि घाव उसके हाथ और छाती पर थे। घाव छाती के दाहिनी ओर डाली गई पैडल की स्थिति में होता है।

खून से लथपथ महिला ने बताया कि पड़ोस में रहने वाली नंदोई ने आम विवाद में उस पर हमला किया था. महिला की हालत गंभीर है और उसे तत्काल ऑपरेशन में ले लिया गया है।

नंदोई के सिर और दोनों हाथों में चोटें आईं।पीयूषपटेल (108 ईएमटी) ने कहा कि मामला विनायक नगर का है। श्रवण स्वामीनाथ साहनी नाम के युवक ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोग कह रहे थे

बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों पर हमले के विरोध में हिन्दू संगठनों का जामनगर में प्रदर्शन

क्रांति समय ,सूरत

जामनगर, बांग्लादेश में हिन्दुओं और मंदिरों पर लगातार हो रहे हमलों के विरोध में आज जामनगर में बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद ने प्रदर्शन किया। बांग्लादेश में मंदिर और हिन्दुओं पर हमलों को लेकर गुजरात समेत देशभर में जबर्दस्त आक्रोश है। बांग्लादेश की घटनाओं को लेकर हिन्दू संगठनों ने गुजरात में कई जगह विरोध प्रदर्शन किया। वडोदरा में भाजपा और कांग्रेस इस मुद्दे पर एक साथ आए कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया। जामनगर में विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने विशाल रैली निकाली और बांग्लादेश में हिन्दू मंदिरों और

हिन्दू समुदाय पर हो रहे हमलों को रोकने की मांग की। साथ ही जम्मू-कश्मीर में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में नारेबाजी की। बजरंग दल और विहिप ने भारत सरकार से बांग्लादेश और पाकिस्तानी सरकार पर दबाव बनाने की भी मांग की। जम्मू-कश्मीर में हिन्दू परिवारों के पलायन रोकने की मांग करते हुए जामनगर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले की घटनाओं का भाजपा और कांग्रेस ने किया विरोध

क्रांति समय ,सूरत

वडोदरा , बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले की घटना को लेकर एक-दूसरे के धूर विरोधी भाजपा और कांग्रेस नेता साथ आ गए हैं।

वडोदरा में भाजपा और कांग्रेस ने आज कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर उचित कदम उठाने की मांग है। भारत के दम पर 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बने बांग्लादेश में इन दिनों अल्पसंख्यकोंखासकर हिन्दुओं पर हमले हो रहे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं और मंदिरों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर देशभर में आक्रोश है। बांग्लादेश की घटनाओं पर वडोदरा में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है।

इस मुद्दे पर एक-दूसरे के कट्टर विरोधी भाजपा और कांग्रेस भी साथ आ गई है। वडोदरा में हिन्दू धर्म गुरु और हिन्दू संगठनों ने विशाल रैली निकाली। बैनर-पोस्टरों के साथ निकली रैली में भाजपा के साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल हुए और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमले का कड़ा विरोध किया। रैली में भाजपा सांसद रंजन भट्ट समेत पार्टी के नेताओं के साथ वडोदरा शहर कांग्रेस प्रमुख प्रशांत पटेल समेत अन्य पूर्व विपक्षी नेता भी शामिल रहे। भाजपा और कांग्रेस ने कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया और बांग्लादेश की घटनाओं पर उचित कदम उठाने की मांग की।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय ,सूरत

खेडा के मंगलपुरा पाटिया के निकट आज सुबह एक कार के पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक को अहमदाबाद भेजा गया है। खेडा जिले में नडियाद-महुधा रोडपर सुबह के दौरान एक ईको कार फर्राटे मारते हुए भागी चली जा रही थी। अचानक ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बेकाबू कार पलटी खा गई। इस हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर पाते ही पुलिस और एम्ब्युलैंस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जिसमें एक घायल व्यक्ति को अहमदाबाद भेजा गया है। कार में सवार सभी लोग महीसागर जिले के संतरामपुर के निवासी थे और पूर्णिमा के अवसर पर आणंद जिले के मलातज गांव में देवी माता के दर्शन करने जा रहे थे और रास्ते में हादसे का शिकार हो गए।

राजस्व मंत्री की रिश्वतखोर कर्मचारियों को वीडियो रिकार्ड कर भेजने की लोगों से अपील

क्रांति समय ,सूरत

गांधीनगर,रिश्वतखोरी को लेकर राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी का बड़ा बयान सामने आया है। कैबिनेट की बैठक के बाद राजस्व मंत्री ने कहा कि प्रांत अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। राजस्व विभाग की कुछ टीमें बनाई जा रही हैं, जो कलेक्टर ऑफीस में जाकर सीधे औचक जांच करेंगी। जनता के लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा हो ऐसे उसका वीडियो रिकार्डिंग कर मुझे भेज दें। जिसके आधार पर ऐसे रिश्वतखोर अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्व सेवाओं को लेकर जो शिकायतें मिलती

कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत मांगता है तो उसका वीडियो बनाकर भेजने की जनता से अपील की है। जिसके आधार पर ऐसे रिश्वतखोर कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि इस मामले में राजस्व विभाग के सभी कलेक्टर और व्यवस्था की जाएगी। राजस्व मंत्री ने बताया कि उन्हें कई शिकायतें मिली हैं और उसकी जांच के बाद जांच की जाएगी। जरूरत पड़ने पर अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। राजेन्द्र त्रिवेदी ने जनता से अपील की है कि कोई कर्मचारी काम करने के बदले में रिश्वत मांगता है तो हैं उनका त्वरित निपटारा हो और लोगों को तेजी से सेवा उपलब्ध हो, इसके लिए सरकार संनिष्ठ प्रयास करेगी। सरकारी कर्मचारी की कोताही या रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए राजस्व मंत्री ने नागरिकों और मीडियाकर्मियों से सहयोग करने की अपील की है।

बच्चों को निमोनिया और दिमागी बुखार के खिलाफ मिलेगा पीसीवी वैक्सीन का कवच

क्रांति समय ,सूरत

अहमदाबाद,सार्वभौमिक टीकाकरण अभियान के अंतर्गत गुजरात में बच्चों को निमोनिया और दिमागी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा कवच देने वाली न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीवीसी) देने का महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा सेवा यज्ञ बुधवार, 20 अक्टूबर से शुरू हुआ। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस टीकाकरण कार्यक्रम का राज्यव्यापी शुभारंभ आदिवासी बहुल जिले छोटाउदेपुर के आल्हादपुरा स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से किया। भारत सरकार के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी सरकारी हॉस्पिटल, स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर यह वैक्सीन डेढ़ वर्ष की उम्र तक के बच्चों को मुफ्त दी जाएगी। निजी क्षेत्र यानी प्राइवेट डॉक्टरों के पास लगभग 3 हजार से 4500 रुपए के मूल्य पर मिलने वाली इस वैक्सीन को सरकार नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत

मुख्यमंत्री ने छोटाउदेपुर के आल्हादपुरा से कराया पीसीवी वैक्सीनेशन का राज्यव्यापी शुभारंभ

लाभार्थी बच्चों को मुफ्त दी देगी। राज्य में एक वर्ष में लगभग 12 लाख बच्चों को टीके की 3 खुराक समेत कुल 36 लाख पीसीवी की डोज दी जाएगी। बच्चों को जन्म के 6 सप्ताह पर इस वैक्सीन की पहली खुराक, 14 सप्ताह होने पर दूसरी खुराक और 9 महीने बाद तीसरी बूस्टर डोज वैक्सीन दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि न्यूमोकोकल निमोनिया एक तीव्र श्वसन संक्रमण रोग है, जिसमें फेफड़ों में जलन होती है और तरल या मवाद भर जाता है। खांसी, छाती का भीतर की ओर खिंचाव, सांस लेने में दिक्कत, तीव्र सांस और गले से घरघराहट की आवाज इस रोग के मुख्य लक्षण हैं। यदि शिशु इस रोग से गंभीर रूप से बीमार है तो उसे खाने-पीने में कठिनाई होती है,

दौरे पड़ सकते हैं या वह बेहोश हो सकता है और उसकी मौत भी हो सकती है। न्यूमोकोकल संक्रमण के कारण मेनेन्जाइटिस, सेप्टीसीमिया और निमोनिया जैसे गंभीर रोगों के साथ-साथ साइनोसाइटिस जैसे रोग भी हो सकते हैं। भारत में न्यूमोकोकल निमोनिया के कारण वर्ष 2010 में पांच वर्ष से कम उम्र के लगभग 1 लाख बच्चों और वर्ष 2015 में लगभग 53 हजार बच्चों की मौत हुई थी। न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्युदर को कम करने में उपकारी सिद्ध होगी। पीसीवी का टीकाकरण बच्चों में न्यूमोकोकल रोग के कारण होने रोगों और मृत्यु को रोकता है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों में गंभीर न्यूमोकोकल रोग का खतरा रहता है लेकिन इसका सर्वाधिक खतरा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों में रहता है। पीसीवी टीकाकरण शिशुओं की रक्षा करने के साथ ही बच्चों में न्यूमोकोकल रोग के खतरों को भी कम करेगा। बच्चों को पल्स पोलियो टीका देने का व्यापक अभियान चलाने के कारण गुजरात वर्ष 2007 में पोलियो मुक्त घोषित हुआ है। अब, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीनेशन के सार्वभौमिक कार्यक्रम से राज्य में नवजात बच्चों को निमोनिया और दिमागी बुखार से संपूर्ण सुरक्षित करने की मंशा साकार होगा और गुजरात बाल स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में भी आगे रहेगा।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

संपादकीय

जल आपदा

केरल में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही की तस्वीरें स्मृति से ओझल भी नहीं हो पाई थीं कि अब उत्तराखंड से आ रही खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। पिछले तीन दिनों से जारी बारिश के कारण इस पहाड़ी राज्य के कई इलाके जलमग्न हो गए हैं, अनेक लोगों की जान चली गई है, पुल धंस गए हैं, और कई जगहों पर फंसे पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए बचाव दल को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। बताया जा रहा है कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नैनीताल में नैनी झील का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया है। स्वाभाविक रूप से बिजली कटी हुई है और रास्तों के बंद हो जाने से लोगों की जिंदगी काफी मुश्किल हो गई है। हालात की गंभीरता का अंदाज इसी से लग जाता है कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को फोन कर केंद्र की तरफ से हर मुमकिन मदद का भरोसा दिया है। यह कुदरती आपदा है, और ऐसी आपदाओं के आगे विज्ञान भी अब तक लाचार ही है। दुनिया के तमाम विकसित देशों को भी प्राकृतिक प्रकोपों से जूझना पड़ता है। लेकिन सभ्यता के विकास क्रम में उन्होंने तकनीक की मदद से इतनी सफलता जरूर हासिल कर ली है कि वे पीड़ितों तक कम से कम समय में राहत उपायों के साथ उपस्थित हो जाते हैं। ऐसी आपदाओं का मुकाबला उत्कृष्ट मानव सेवा से ही किया जा सकता है। हमें भी वह दक्षता हासिल करनी पड़ेगी। पहाड़ी राज्यों, खासकर उत्तराखंड को ऐसे प्राकृतिक प्रकोपों का अक्सर सामना करना पड़ता है। इसलिए विवेकपूर्ण तरीके से यह विवेचना होनी चाहिए कि ऐसी किसी सूरत में हानि कैसे न्यूनतम की जा सकती है? ऐसा नहीं है कि पहाड़ी राज्यों में मानव बसाहट कोई नई बात है, लेकिन उनके अविवेकपूर्ण विस्तार ने नुकसान को कई गुना बढ़ाया है। सुदूर क्षेत्रों को तो छोड़िए, हमारे महानगर तक अराजक विस्तार के शिकार हैं और हर मानसून में इसकी पीड़ा नागरिकों को भोगनी पड़ती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी और केरल जैसे समुद्र तटीय प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति के लिहाज से अधिक संवेदनशील रहे हैं। उनके विकास की पूरी संरचना में इसका ख्याल रखा जाना चाहिए था। लेकिन दूरदर्शी नगर योजना व राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के अलावा बढ़ती आबादी के दबाव ने हमें इस मोड़ तक पहुंचाया है कि हम तय नहीं कर सके कि कहां पर रुक जाना चाहिए। झीलों, नदी मार्गों को पाटते हुए और उनमें अपने लालच बोते हुए हम भूल बैठे कि प्रकृति नाराज हुई, तब क्या होगा? यह सही है कि विकास के लिए प्रकृति का दोहन जरूरी है। पर उसकी सीमा क्या हो, यह तो हमें ही तय करना है। प्रकृति लगातार संकेत करती रही, मगर इंसानी समाज अपनी सुविधा से उनको अनदेखा करता रहा है। अपेक्षाकृत विकसित देशों में अब यह समझ बन रही है कि अपनी सभ्यता के अस्तित्व के लिए इस दोहन पर लगाम बहुत जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूं ही सरकारी भूमि पर नए तेल कुओं की खुदाई को लेकर रोक नहीं लगाई या पर्यावरण संरक्षण को बेमतलब ही अपने एजेंडे में ऊपर नहीं रखा है। हमें भी सतर्क होने की जरूरत है। खासकर संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्रों में। दक्षिण की देवभूमि केरल से लेकर उत्तर की देवभूमि तक कुदरत अगर नाराज है, तो वक्त रहते यह नाराजगी पढ़ी जानी चाहिए।

भारत की आईटी कंपनियों की कामयाबी के पीछे का सच

अब देखिए कि फूलों का जीवन कितना छोटा सा होता है पर वो अपने सुगंध देने के धर्म का निर्वाह तो करते ही रहते है। नारायणमूर्ति ने अपने जीवन को फूलों और दीपक जैसा जाने-अनजाने में बना ही लिया है। वे सदैव पहले से भी बेहतर कर्म करते ही रहना चाहते हैं। उनका जीवन भी बेदाग रहा है। वे अपनी कंपनी को नई दिशा देते हुए कल्याणकारी योजनाओं के लिए मोटी राशि समाज कल्याण के कार्यों के लिये दान में देते रहे हैं। इसीलिए तो वे और उनकी इंफोसिस लगातार सफलता ही अर्जित कर रही है।

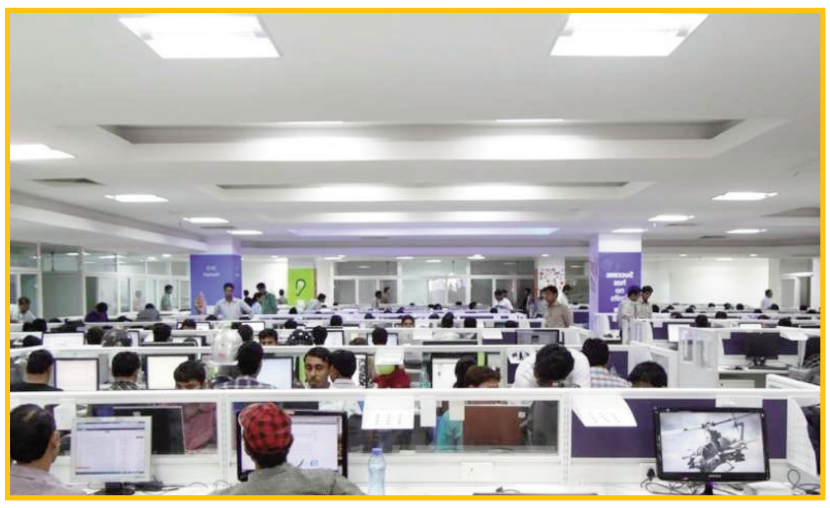

– आर.के. सिन्हा

माफ करें, पर यह सच है कि अब भारत में सकारात्मक खबरों को लेकर कोई बहुत चर्चा नहीं होती। वैसी ख़बरें कभी-कभी सामने आती हैं और फिर गायब हो जाती हैं। अब नेगटिव समाचारों पर अतिरिक्त फोकस का सिलसिला चालू हो गया है और सच कहें तो बढ़ता ही जा रहा है। इसका एक उदाहरण लें। देश की चार सबसे प्रमुख आई टी कंपनियां- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज ने चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में एक लाख से अधिक पेशेवर युवक-युवतियों की भर्तियां कीं। यह पिछले वित्त साल के पहले छह महीनों से 13 गुना अधिक है। ये भर्तियां ठोस संकेत हैं कि भारत का आईटी सेक्टर काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। टीसीएस में फिलहाल सवा पांच लाख पेशेवर हैं। बाकी जिन आईटी कंपनियों का हमने जिक्र किया है, उनमें भी कुल मिलाकर तो लाखों पेशेवर काम कर रहे हैं। गौर करें कि इन कंपनियों में भर्तियां ही नहीं हो रही हैं। इनमें काम करने वाले पेशेवर बेहतर विकल्प मिलने पर अन्य कंपनियों का दामन थाम भी रहे हैं। इंफोसिस को पिछली तिमाही में उसके 20 फीसदी स्टाफ ने छोड़ दिया। अगर कोई इंफोसिस जैसी प्रतिष्ठित कंपनी को छोड़ रहा है तो समझ लें कि उन्हें उससे बहुत बेहतर अवसर मिल रहे हैं। वर्ना कोई इंफोसिस सरीखी श्रेष्ठ कंपनी को छोड़ने से पहले दस बार तो सोचेगा ही। यह तो सिर्फ एक उदाहरण था, यह बताने के लिए किस तरह देश के आईटी सेक्टर की कंपनियां तरक्की के सारे कीर्तिमान तोड़ती जा रही हैं। जो कंपनी अपने स्टाफ में नए युवक-युवतियों को रख रही है। इसका मतलब यह है कि उनका मुनाफा भी तेजी से बढ़ रहा है। टीसीएस को चालू साल की दूसरी तिमाही में 9,624 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। इसी साल की पहली तिमाही में कंपनी को 9008 करोड़ रुपये का फायदा हुआ था। इंफोसिस को चालू साल की पहली तिमाही में लगभग साढ़े पांच हजार करोड़ रुपए का लाभ हुआ। विप्रो और एचसीएल के भी शानदार नतीजे आए। लेकिन इतनी शानदार खबर को लेकर देश में कोई खास बात नहीं हुई। आजकल बात तो सिर्फ यह होती है कि कहां और कैसी हिंसा हुई या देश को क्षति पहुंची। बहरहाल, कहने वाले तो यही कहते हैं कि टाटा समूह ने हाल ही में एयर इंडिया को 18 हजार करोड़ रुपए में अपनी फ्लैगशिप कंपनी टीसीएस के लगातार हो रहे भारी-भरकम मुनाफे के चलते ही खरीदा। टीसीएस के दो तिमाही के नतीजों के दम पर टाटा समूह एयर इंडिया को आसानी से खरीद सकता था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, विप्रो और एचसीएल की अभूतपूर्व उपलब्धि के आलोक में क्या आपने कभी सोचा कि कौन सी कंपनियां मुनाफा कमाने में अव्वल रहती हैं? किनकी साख बाजार में सबसे अधिक होती है? इन सवालों के जवाब खोजने मुश्किल नहीं है। ये सब इसलिए आगे बढ़ रही है क्योंकि इन्हें नेतृत्व बेहतरीन मिला हुआ है। अब टीसीएस को ही लें। इसके मौजूदा चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश गोपीनाथ के टीसीएस में शिखर पद को संभालने से पहले ही टीसीएस विश्व स्तरीय कंपनी बन चुकी थी। इसका श्रेय टाटा समूह के मौजूदा चेयरमेन एन.चंद्रशेखर को ही देना होगा। वे टीसीएस के 2009 में सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बन गए थे। उन्होंने टीसीएस से ही अपने पेशेवर करियर का आगाज किया था। उन्हें टीसीएस स्वस्थ हालत में मिली थी। चंद्रशेखर ने टीसीएस में रहते हुए टाटा समूह के चेयरमेन रतन टाटा और टीसीएस के फाउंडर चेयरमेन फकीरचंद कोहली से लीडरशिप के गुणों को सीखा था। अगर आज भारत को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया सबसे खास शक्तियों में से एक मानती है और भारत का आईटी सेक्टर 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया है तो इसका क्रेडिट फकीरचंद कोहली जी को ही देना होगा। उन्होंने ही वस्तुतः देश के आईटी सेक्टर की नींव रखी था। कोहली और रतन टाटा के साथ काम करके चंद्रशेखर ने प्रौद्योगिकी जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देना सीखा। तमिलनाडू के तंजावुर के रहने वाले शिव नाडार की अगर बात करें तो उन्होंने एचसीएल टेक्नोलॉजीज को अपने लंबे नेतृत्व के दौरान इसे महान सॉफ्टवेयर कंपनी के रूप में खड़ा किया। कहते हैं कि वे अपने सीईओज और मैनेजरों को हमेशा कुछ हटकर करने के लिए प्रेरित करते रहते थे। नाडार अपने अफसरों के सदैव साथ खड़े रहते हैं। वे उनका असफलता में भी कभी उनका साथ नहीं छोड़ते थे। इसलिए उनके मैनेजर भी बेहतरीन नतीजे लाकर देते। शिव नाडार ने एचसीएल टेक्नोलॉजीज की स्थापना की थी। अब करीब आधा दर्जन देशों में, 100 से ज्यादा कार्यालय, करीब एक लाख पेशेवर इंजीनियर उनके साथ जुड़े हैं। नोएडा में तो शिव नाडार के दफ्तरों की भरमार है। नाडार में जेआरडी टाटा का अक्स देखा जा सकता है। दोनों की शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति सोच लगभग एक सी है। अगर बात इंफोसिस लिमिटेड की करें तो इसका भले ही मौजूदा सीईओ सलिल पारेख हैं, पर इसकी बुनियाद चट्टान जैसी मजबूत है। इसकी नींव डाली थी एन.नारायणमूर्ति जैसे युगांतकारी उद्यमी ने। उन्हें इस बाबत सहयोग मिला नंदन नीलकेणी जैसे साथियों का। नंदन नीलकेणी आजकल भी इंफोसिस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। नारायणमूर्ति अपने जीवन के हर पल को सार्थक बनाने में जुटे ही रहते हैं। बेशक मानव जीवन क्षण भंगुर हो, फिर भी उसे इंसान को अपने सतकर्मों से ही सार्थक बनाने का अवसर ईश्वर प्रदान करते हैं। अंधकार का साम्राज्य चाहे कितना भी बड़ा हो पर एक कोने में पड़ा हुआ छोटा सा दीपक अपने जीवन के अंत समय तक अंधेरे से मुकाबला तो करता ही रहता है। अब देखिए कि फूलों का जीवन कितना छोटा सा होता है पर वो अपने सुगंध देने के धर्म का निर्वाह तो करते ही रहते है। नारायणमूर्ति ने अपने जीवन को फूलों और दीपक जैसा जाने-अनजाने में बना ही लिया है। वे सदैव पहले से भी बेहतर कर्म करते ही रहना चाहते हैं। उनका जीवन भी बेदाग रहा है। वे अपनी कंपनी को नई दिशा देते हुए कल्याणकारी योजनाओं के लिए मोटी राशि समाज कल्याण के कार्यों के लिये दान में देते रहे हैं। इसीलिए तो वे और उनकी इंफोसिस लगातार सफलता ही अर्जित कर रही है। इन सबकी ही तरह ही विप्रो लिमिटेड के चेयरमेन अजीम प्रेमजी भी हैं। उनमें एक कमाल का गुण है। वे चुन-चुनकर एक से बढ़कर एक मैनेजरों को अपने साथ जोड़ लेते थे। अजीम प्रेमजी सिर्फ मेरिट पर विप्रो में पेशेवरों को अहम पद देते हैं। उनके कुशल निर्देशन के फलस्वरूप विप्रो को देश की चोटी की आईटी कंपनी का दर्जा प्राप्त है। तो लब्बोलुआब यह है कि भारत की आईटी कंपनियों के आगे बढ़ने से जहां नौजवानों को रोजगार के भारी अवसर मिल रहे हैं, वहीं देश को भारी आयकर और विदेशी मुद्रा भी मिल रहा है। लेकिन वे ही कंपनियां आज के दिन अभूतपूर्व सफलता हासिल कर रही हैं, जिन्हें सशक्त नेतृत्व मिला हुआ है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आज का राशिफल

मेष	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृषभ	जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।
मिथुन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कर्क	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।
सिंह	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
तुला	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।
धनु	व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

तालिबानी नहीं, अफगानियों की चिंता

– डॉ. प्रभात ओझा

अफगानिस्तान पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की बातचीत बुधवार 20 अक्टूबर को होने जा रही है। बैठक रूस ने बुलाई है और उसमें अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान भी रहेगा। रूस ने भारत के साथ इस बातचीत में अमेरिका, पाकिस्तान और चीन को भी बुलाया है। दरअसल, अफगानिस्तान में इस साल 15 अगस्त को तालिबान के कब्जे के बाद उसके पड़ोसी अथवा उसके साथ अपने हित जोड़े रखने वाले देशों की चिंता बढ़ गई है। अफगानिस्तान में मानव अधिकार, महिला सुरक्षा और लोकतंत्र तो सबसे बड़ा मसला है ही। ज्ञातव्य है कि इसी बीच भारत ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की एक बैठक बुलाने की योजना को अंतिम रूप दिया है। इसके लिए पाकिस्तान को भी न्योता भेजा गया है। बैठक हमारे एनएसए अजीत डोभाल की अध्यक्षता में होगी और इसमें रूस, चीन, ईरान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान भी शामिल होंगे। अफगानिस्तान के सवाल पर विभिन्न स्तर की बातचीत का यह सिलसिला नया नहीं है। इस पर भारत की चिंता भी समझी जा सकती है। सत्ता पर तालिबान के आने के साथ ही 16 अगस्त को एक हफ्ते के अंदर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने दूसरी बार बैठक की। उस बैठक में भी भारत ने कहा था कि वहां हिंसा रोकने और शांति स्थापना के लिए सभी देश मिलजुलकर हर संभव कदम उठाएं। भारत की चिंता यह भी रही कि अफगानिस्तान फिर से आतंकवादियों के लिए पनाहगार न बन जाय। अफगानिस्तान पर भारत की चिंता को समझा जा सकता है। भारत ने तब से हाल में सम्पन्न जी-20 की बैठक तक अपनी गंभीरता दिखाई है। उसे क्रमशः इस तरह देखा जा सकता है- नंबर एक कि भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने में शामिल पाकिस्तान जैसा पड़ोसी दुनिया में आतंकवाद के खूंखार चेहरे तालिबान के करीब है। दो- कि भारत की सीमाओं पर अशांति का कारण बने चीन की कई परियोजनाएं अफगानिस्तान में शुरू और पूरी हो सकती हैं। वहां चीन का बहुत अधिक प्रभाव भारतीय हितों और वहां हमारे निवेश की प्रगति में बाधक ही होगा। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह कि अफगानिस्तान में शांति स्थापना ही वहां के नवनिर्माण में पहले से ही लगी हमारी अपार धनराशि के सुरक्षित रहने और उससे हमें भी लाभ की गारंटी होगी। पाकिस्तान को छोड़ भारत सहित अन्य देश भी यही चाहेंगे। पाकिस्तान को इस कदर दरकिनार करने का कारण हमारे देश भारत से उसकी परंपरागत खुंदक भर नहीं है। सच यह है कि भारत में अशांति के लिए वह अपने देश में संरक्षित आतंकी ठिकानों के साथ अब अफगानिस्तान की तरफ भी उम्मीद की नजरों से देखने लगा है। हालांकि फिलहाल के अफगानी हुक्मरानों में से कई ने बार-बार कहा है कि भारत के साथ हमारे रिश्ते पाकिस्तान के हिसाब से तय नहीं होंगे। हक्कानी नेटवर्क जैसे खुंखार संगठन के प्रमुख अनस हक्कानी ने तो यह कहकर पाकिस्तान को झटका ही दे दिया कि कश्मीर हमारे अधिकार क्षेत्र का हिस्सा नहीं है। हक्कानी ने साफ तौर पर कहा कि हम इस मामले से दूर ही रहेंगे। आतंकी संगठन तालिबान अब अफगानिस्तान की सच्चाई बन चुका है। इसके साथ यह भी सच्चाई है कि अब वह विद्रोही नहीं, शासक भी है। उसे आटे-दाल के भाव की चिंता भी करनी होगी। अफगानिस्तान की संरचनात्मक ही नहीं, आर्थिक ढांचा भी चरमरा गया है। लोगों की रोज की जरूरतों को भी तालिबान को पूरा करना होगा। स्वाभाविक है कि तालिबान भी 20 अक्टूबर की बातचीत को खासा महत्व देगा। वह दुनिया के देशों के साथ बेहतर रिश्ता और उनकी मान्यता की कोशिश कर रहा है। ऐसे में तालिबान की नस दबी हुई है। उम्मीद है कि वह समझदारी से काम लेगा। बैठक के आयोजक रूस ने भी अफगानिस्तान के सहयोग की इच्छा जताई है। इसके बावजूद वह तालिबान सरकार को मान्यता देने की जल्दी में नहीं है। अभी तक उसने तालिबान के आतंकवादी संगठन होने से अपनी राय में कोई परिवर्तन नहीं किया है। इस मुद्दे पर भारत ही नहीं, अन्य कई देशों का रुख भी रूस की ही तरह है। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी पिछले दिनों कहा था कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान की सक्रिय भूमिका रही है। ऐसे में अमेरिका ने भारत के साथ मजबूत साझेदारी की बात कही है। एकीकृत सोवियत संघ के दौर में रूस भी अफगानिस्तान के अंदर सबसे खराब दौर से गुजर चुका है। अमेरिका तो अभी हाल ही में वहां से बाहर आया है। इसका मतलब यह नहीं कि रूस और अमेरिका अपने खराब अनुभव से अफगानिस्तान से किनारा कर लेंगे। कम से कम अफगानिस्तान की चिंता करती बैठकों से तो यह पता चलता है। निश्चित ही भारत जैसे देश का हित भी इसी में है कि अफगानिस्तान के लिए इन दोनों की कोशिशों के साथ रहे। यहां चिंता तालिबान की नहीं, अफगानी अवाम की करनी है। अलग बात है कि बैठकों के जरिए तालिबान को भी शांति से सरकार चलाने के गुर सीखने के मौके मिलेंगे। अपने लोगों के लिए उसे दुनिया की बात सुननी होगी, फिलहाल ऐसी उम्मीद करने में कोई हर्ज भी नहीं है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार के न्यूज एडिटर हैं।)

नजरिया

जातिगत जनगणना के लिए स्वतंत्र हैं भारतीय राज्य

सुशील कुमार मोदी, सांसद व पूर्व उप-मुख्यमंत्री, बिहार

सन् 1993 में मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय सेवाओं में पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के बाद हर जनगणना के पूर्व जातिगत गणना की मांग राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जाती रही है। तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने लोकसभा में 7 मई, 2010 को जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सरकार की ओर से वक्तव्य देते हुए कहा था कि आजादी के बाद नीतिगत तौर पर अनुसूचित जाति/जनजाति के अतिरिक्त किसी अन्य जाति की गणना को जनगणना में शामिल नहीं किया गया। तब रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया का मत था कि जनगणना के साथ जातिगत जनगणना कराने में अनेक लॉजिस्टिक व व्यावहारिक कठिनाइयां हैं और इससे जनगणना की पूरी प्रक्रिया अस्त-व्यस्त हो जाएगी। अंततः यूपीए सरकार ने जनगणना 2011 के साथ जातिगत जनगणना की मांग को अस्वीकार कर दिया था, परंतु राजनीतिक दबाव में 5,000 करोड़ रुपये व्यय कर 2011 में बिना पूर्व तैयारी के अलग से सामाजिक, आर्थिक, जातिगत जनगणना, 2011 करा ली गई थी। लोगों ने भी जाति, उपजाति, नाम, उपनाम, गोत्र, समुदाय के नाम दर्ज करा दिए थे। परिणामतः जहां पिछड़े वर्गों की केंद्रीय सूची में 2,479 जातियां हैं, सभी राज्यों की सूची मिलाकर 3,150 जातियां हैं। 1931 की जनगणना में 4,147 जातियां सूचीबद्ध की गई थीं, लेकिन 2011 में 46 लाख जातियां दर्ज हो गईं। महाराष्ट्र में कुल 494 जातियां हैं, जबकि 4.28 लाख जातियां दर्ज हुई थीं। 1.17 करोड़ लोगों ने महाराष्ट्र में 'कोई जाति नहीं' दर्ज करा दिया। पूरे देश में जातिगत जनगणना-2011 में 1.18 करोड़ त्रुटियां पाई गईं। एक-एक जाति को 45 प्रकार से दर्ज कर दिया गया। इन आंकड़ों में इतनी अशुद्धता, विसंगति व त्रुटियां थीं कि उनका वर्गीकरण करना संभव न था। आंकड़ों की इस अराजकता के कारण ही केंद्र सरकार ने जातिगत आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय किया। जातिगत जनगणना-2011 के अनुभव के आधार पर क्या केंद्र के लिए जनगणना-2021 के साथ जातिगत जनगणना कराना संभव है? भारत सरकार ने महाराष्ट्र सरकार की एक याचिका के जवाब में हलफनामा दायर कर सुप्रीम कोर्ट को जातिगत जनगणना-2011 की विफलताओं का विस्तार से जिक्र करते हुए कहा है कि जनगणना-2021 की तैयारी तीन-चार साल पहले शुरू हो चुकी है। सभी प्रकार के प्रारूप, मैनुअल, प्रशिक्षण मार्गदर्शिका को 16 से 18 भाषाओं में अनुवाद कराकर पर्याप्त संख्या में छपवा लिया गया है। 7 जनवरी, 2020 को 31 प्रश्नों को अंतिम रूप से अधिसूचित किया जा चुका है। अतः अंतिम समय में नए प्रश्न को जोड़ना व्यावहारिक नहीं होगा। मंडल कमीशन के बाद कुछ पेशागत जातियां हिंदू और मुसलमान, दोनों में शामिल हैं। अतः केंद्र सरकार के लिए जातिगत गणना तकनीकी व व्यावहारिक तौर पर कराना संभव नहीं है। कई राज्य सरकारों ने अपने स्तर से ऐसी जनगणना की पहल की है। 2015 में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 147 करोड़ रुपये खर्च करके यह जनगणना कराई थी, परंतु कुल प्रमुख जातियों की संख्या अपेक्षा से काफी कम पाए जाने पर आंकड़े आज तक जारी नहीं किए जा सके। ओडिशा सरकार ने भी ऐसी गणना का निर्णय लिया है, पर कोविड के कारण यह शुरू नहीं हो सकी है। तेलंगाना सरकार ने 2014 अगस्त में 'समग्र कुटुम्बि सर्वे' के माध्यम से ऐसी गणना कराई थी, जिसमें पिछड़े वर्गों की संख्या 51 प्रतिशत पाई गई थी। केरल सरकार ने ऊंची जाति में आर्थिक दृष्टि से पिछड़ों की पहचान हेतु सामाजिक-आर्थिक सर्वे कराने का निर्णय लिया है। अतः कोई राज्य जातिगत जनगणना कराना चाहे, तो वह कराने के लिए स्वतंत्र है। उसके लिए केंद्र या कोर्ट की अनुमति की भी जरूरत नहीं है। जातिगत जनगणना से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, यद्यपि पट्टलीमक्कल काची बनाम केंद्र सरकार से जुड़ी याचिका को 2009 में ही सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। एक अन्य मामले में भी मद्रास हाईकोर्ट के जातिगत जनगणना कराने के निर्देश को सुप्रीम कोर्ड ने रद्द कर दिया था। राज्य सरकारें सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष रख सकती हैं। लोगों को सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का इंतजार करना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जिंदल स्टेनलेस लि. ने हिसार में 26,000 टन उत्पादन क्षमता की प्रीसिजन स्ट्रिप मिल चालू की

नयी दिल्ली, जंदल स्टेनलेस (हिसार) लि. (जेएसएचएल) ने बुधवार को कहा कि उसने हिसार में स्थित अपने संयंत्र में 26,000 टन प्रति वर्ष की क्षमता वाली एक प्रीसिजन स्ट्रिप मिल चालू की है। इससे पहले जुलाई में कंपनी ने अपने विशेष उत्पाद इकाई (एसपीडी) के विस्तार के लिए 450 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। इसमें से 250 करोड़ रुपये का उपयोग प्रीसिजन स्ट्रिप निर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाना था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस मिल के चालू होने के उसकी कुल प्रीसिजन स्ट्रिप उत्पादन क्षमता मौजूदा 22,000 टन प्रति वर्ष (टीपीए) से बढ़कर 48,000 टन प्रति वर्ष हो गयी है।

टेस्ला के नए साइबरट्रक प्रोटोटाइप को साइड मिरर के साथ देखा गया: रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला साइबरट्रक प्रोटोटाइप का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसे साइड मिरर के साथ एक नया प्रोटोटाइप में देखा गया है। ऑटो-टेक वेबसाइट इलेक्ट्रेक के अनुसार, एक नया टेस्ला साइबरट्रक देखने से उम्मीद है कि ऑटोमेकर एक नए प्रोटोटाइप का परीक्षण कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम रिजॉल्यूशन के कारण, फुटेज से सारी जानकारी नहीं मिली है, लेकिन एक बात स्पष्ट है - वाहन में साइड मिरर है। पिछले साइबरट्रक ने दिखाया कि प्रोटोटाइप में कोई साइड मिरर नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला एयरोडायनामिक प्रदर्शन में सुधार के लिए कैमरों को साइड मिरर में बदलने की अनुमति देने पर जोर दे रहा है, जो बदले में दक्षता और सीमा में सुधार करता है। इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक इस साल लॉन्च होने वाला था, लेकिन इसे 2022 के अंत तक पेश किया जाएगा। हाल ही में, ऑर्डर पेज पर, टेस्ला ने फुटनोट्स को अपडेट किया ताकि पुष्टि की जा सके कि 2022 में उत्पादन निकट होने पर कॉन्फिगरेटर उपलब्ध होगा। सीईओ एलोन मस्क ने पुष्टि की कि टेस्ला को 2022 के अंत तक साइबरट्रक उत्पादन शुरू करने की उम्मीद नहीं है। इसके अलावा, सीईओ ने कहा कि इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक में इतनी नई तकनीक है कि उत्पादन रैंप-अप बहुत मुश्किल होने वाला है। इस देरी के साथ, ऑटो-टेक वेबसाइट को उम्मीद है कि साइबरट्रक प्रोटोटाइप को सार्वजनिक सड़कों पर परीक्षण किया जा रहा है, जैसे कि फोर्ड एफ 150 लाइटनिंग और रिवियन आर 1 टी ट्रक पिछले साल देखे गए थे, लेकिन साइबरट्रक प्रोटोटाइप दृष्टि दुर्लभ रही है।

गूगल ने पिक्सल यूजर्स के लिए नए सब्सक्रिप्शन बंडल की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने पिक्सल यूजर्स के लिए नया सब्सक्रिप्शन बंडल पिक्सल पास लॉन्च किया है। सदस्यता सेवा एक छत के नीचे यूट्यूब प्रीमियम, यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम, गूगल वन और गूगल प्ले पास के लाभों को जोड़ती है। पिक्सल पास दो अलग-अलग योजनाओं में उपलब्ध कराया जा रहा है । 45 डॉलर प्रति माह और साथ ही 55 डॉलर प्रति माह और कोई भी गूगल स्टोर के माध्यम से या गूगल फाई पर एक फोन योजना के साथ पिक्सेल पास की सदस्यता ले सकता है। कंपनी ने एक बयान में कहा, अमेरिकी ग्राहकों के लिए 45 डॉलर प्रति माह से शुरू होकर, पिक्सल पास आपको गूगल वन, यूट्यूब प्रीमियम और यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम, गूगल प्ले पास और प्रिफर्ड केयर के साथ बिल्कुल नया पिक्सल 6 देता है। दोनों योजनाओं के साथ, विज्ञापन-मुक्त देखने और पृष्ठभूमि में खेलने के साथ यूट्यूब प्रीमियम, विज्ञापन-मुक्त सुनने के साथ यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम, 200जीबी गूगल वन क्लाउड स्टोरेज, सैकड़ों गेम और ऐप्स तक पहुंच के साथ गूगल प्ले पास विज्ञापन और इन-ऐप खरीदारी पर पूरी तरह से मुफ्त मिलेगा। पिक्सल पास के सदस्य अपने गूगल वन या प्ले पास के फायदे परिवार के ज्यादा से ज्यादा पांच सदस्यों के साथ बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के साझा कर सकते हैं।

भारत में लौटेंगे कर्मचारियों के लिए अच्छे दिन, अगले साल 9.3प्रतिशत बढ़ेगी सैलरी

मुंबई (एजेंसी):

भारत में ऊंचे वेतन का दौर अगले साल से फिर लौटने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में भारत में कर्मचारियों के वेतन में औसतन 9.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। 2021 में इसके आठ प्रतिशत रहने का अनुमान है। वैश्विक सलाहकार, ब्रोकिंग और समाधान कंपनी विलिस टावर्स वॉटसन की 'वेतन बजट योजना रिपोर्ट' में कहा गया है कि कंपनियों के सामने कर्मचारियों को आकर्षित करने और उन्हें अपने साथ जोड़े रखने की चुनौती है। ऐसे में 2022 में कंपनियां कर्मचारियों को अधिक वेतनवृद्धि देंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत में अगले साल सबसे अधिक वेतनवृद्धि भारत में होगी। अगले 12 माह के दौरान कारोबारी परिदृश्य में सुधार की उम्मीद है। यह रिपोर्ट छमाही सर्वे है। यह सर्वे मई और जून, 2021 के दौरान एशिया-प्रशांत की विभिन्न उद्योग क्षेत्रों की 1,405 कंपनियों के बीच किया गया। इनमें से 435 कंपनियां भारत की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 52 प्रतिशत भारतीय कंपनियों का मानना है कि अगले 12 माह के दौरान उनका राजस्व परिदृश्य सकारात्मक रहेगा। 2020 की चौथी तिमाही में ऐसा मानने वाली कंपनियों की संख्या 37 प्रतिशत थी। कारोबारी परिदृश्य में सुधार से नौकरियों की स्थिति भी सुधरेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कंपनियां अगले एक साल के दौरान नई नियुक्तियों की तैयारी कर रही हैं। यह 2020 की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कामकाज मसलन इंजीनियरिंग (57.5 प्रतिशत), सूचना प्रौद्योगिकी (53.3 प्रतिशत), तकनीकी कौशल (34.2 प्रतिशत) बिक्री (37 प्रतिशत) और वित्त (11.6 प्रतिशत) में सबसे अधिक भर्तियां देखने को मिलेंगी। इन नौकरियों में कंपनियां ऊंचे वेतन की पेशकश करेंगी।

रुपया 47 पैसे तेजी के साथ 74.88 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 47 पैसे के उछाल के साथ 74.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने तथा घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के कारण रुपये पर कुछ दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मजबूती का रुख लिए 75.10 रुपये पर खुला तथा कारोबार के दौरान यह 74.83 से 75.13 रुपये के दायरे में रहा और अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले 47 पैसे का उछाल दर्शाता 74.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को 'मिलाद-उन-नबी' की वजह से मुद्रा बाजार बंद था। बाजार सूत्रों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के नरम पड़ने के कारण मुख्यतः रुपये में तेजी आई। वैश्विक मानक माने जाने वाले, ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.37 डॉलर प्रति बैरल रह गया। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 93.84 हो गया।

यस बैंक ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई, स्थिर होने में दो और साल लगेंगे : रजनीश कुमार

नयी दिल्ली,

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि संकटग्रस्त यस बैंक ने पिछले साल एसबीआई के नेतृत्व में निवेशकों के समूह द्वारा उसके प्रबंधन को संभालने के बाद उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है और इसे स्थिर होने में दो साल और लग सकते हैं। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''जिस स्थिति में यस बैंक था, आपको उसे स्थिर करने के लिए कम से कम तीन साल का समय देना होगा।'' 'द कस्टोडियन ऑफ ट्रस्ट' नामक अपनी पुस्तक में, कुमार ने कहा कि एसबीआई यस बैंक के लिए अंतिम सहारा बनने के लिए अनिच्छुक था, लेकिन परिस्थितियों ने इसे देश के चौथे सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में मुझे लगा था कि छह बैंकों के विलय के बाद एसबीआई एक और बैंक को बचाने की जिम्मेदारी लेने से बचेगा। एसबीआई द्वारा आखिरी 'बेलआउट' (1995 में) उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में काम करने वाला काशी नाथ सेठ बैंक था, जो एक परिवार के स्वामित्व वाला बैंक था। उन्होंने पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) द्वारा प्रकाशित पुस्तक में उल्लेख किया है कि आरबीआई का उनपर 13 मार्च, 2020 तक बैंक के लिए अन्य निवेशकों को खोजने का दबाव था। पांच मार्च, 2020 को भारतीय रिज़र्व बैंक ने संकटग्रस्त यस बैंक पर रोक लगाते हुए निकासी की सीमा 50,000 रुपये तय कर दी। इसके बाद 13 मार्च को सरकार द्वारा अधिसूचित पुनर्गठन योजना के कारण 18 मार्च, 2020 को इस रोक को हटा लिया गया। पुनर्गठन योजना के अनुसार, एसबीआई तीन साल की अवधि के लिए बैंक में अपनी हिस्सेदारी को 26 प्रतिशत से कम नहीं कर सकता है, जबकि अन्य निवेशकों और मौजूदा शेयरधारकों के पास यस बैंक में उनके 75 प्रतिशत के निवेश के लिए तीन साल की लॉक-इन अवधि होगी।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट, मुनाफावसूली से सेंसेक्स 456 अंक लुढ़का

मुंबई (एजेंसी)

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। उच्च मूल्य स्तर पर पहुंचे शेयरों में निवेशकों की मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स 456 अंक टूटकर बंद हुआ। निफ्टी भी 18,300 के स्तर से नीचे बंद हुआ। कारोबारियों के अनुसार मझोली और छोटी कंपनियों (मिडकैप और स्मॉलकैप) के शेयरों में भी उच्च कीमत की वजह से भारी बिकवाली दबाव रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 456.09 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,259.96 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 152.15 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूटकर 18,266.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन 2.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा एचयूएल, एनटीपीसी, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, पावरग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल ने 4.03 प्रतिशत की सर्वाधिक तेजी के साथ लाभ में रहने वाले शेयरों की अगुवाई की। एसबीआई, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक में भी तेजी रही। एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''जिन शेयरों में गिरावट आयी है, वह युक्तिसंगत है। क्योंकि मूल्य काफी चढ़ गया था।'' उन्होंने कहा कि लगभग सभी खंडवार सूचकांक नुकसान में रहें। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में तेजी रही। निवेशक इस खंड में निवेश करते दिखें। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार में जो गिरावट है, वह कोई बड़ी प्रतिक्रिया का नतीजा नहीं है। उच्च मूल्यांकन के कारण अल्प अवधि में यह स्थिति बनी रह सकती है। भविष्य में भारतीय कंपनियों को सुधारों से लाभ हो सकता है...।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा अर्थव्यवस्था में गतिविधियां फिर से शुरू होने, निम्न ब्याज दर और सरकार तथा निजी स्तर पर खर्च से अर्थव्यवस्था और बाजार की दीर्घकालीन प्रवृत्ति अक्षुण्ण बनी हुई है। बाजार में यह सुधार खरीद का मौका देगा।' एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की लाभ में रहे, जबकि चीन के शंघाई कम्पोजिट और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट रही।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.38 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 47 पैसे मजबूत होकर 74.88 पर पहुंच गयी। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक मंगलवार को पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने 505.79 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

एनपीसीआई टोकनाइजेशन सिस्टम रुपे कार्ड को करेगा सपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)।

ग्राहकों के वित्तीय डेटा को सुरक्षित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप, नेशनल पेमेन्टस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने बुधवार को रुपे कार्ड के टोकन के विकल्प के रूप में समर्थन करने के लिए व्यापारियों के साथ कार्ड विवरण संग्रहित करना एनपीसीआई टोकनाइजेशन (एनटीएस) लॉन्च किया है। एनटीएस ग्राहकों की सुरक्षा को और बढ़ाएगा और उपभोक्ताओं को खरीदारी का सहज अनुभव प्रदान करेगा। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के चीफ ऑफ प्रोडक्ट्स कुणाल कलावतिया ने एक बयान में कहा, हमें विश्वास है कि रुपे कार्ड के टोकन के लिए एनपीसीआई टोकन सिस्टम (एनटीएस) लाखों रुपे कार्डधारकों में अपने दिन-प्रतिदिन के लेनदेन को सुरक्षित रूप से करने के लिए और अधिक विश्वास पैदा करेगा। कलावतिया ने कहा, हमारा मानना है कि यह अनूठा कार्ड-ऑन-फाइल (सीओएफ) टोकनाइजेशन समाधान न केवल ग्राहकों के गोपनीय डेटा की सुरक्षा करेगा बल्कि समग्र डिजिटल भुगतान वातावरण को और मजबूत करेगा। आरबीआई द्वारा अनिवार्य दिशानिर्देशों के सेट के आधार पर, संवेदनशील ग्राहक जानकारी को सुरक्षित लेनदेन में मदद के लिए एन्क्रिप्टेड टोकन के रूप में संग्रहीत किया जाना है। ये टोकन तब ग्राहक के विवरण का खुलासा किए बिना भुगतान संसाधित करने की अनुमति देते हैं या भुगतान मध्यस्थों को ग्राहक डेटा संग्रहीत करने की अनुमति देते हैं जो सुरक्षा और गोपनीयता भंग कर सकते हैं। एनपीसीआई की टोकन रेफ्रेंस ऑन फाइल (टीआरओएफ) सेवा लाखों रुपे कार्डधारकों को उनके वित्तीय डेटा की सुरक्षा बनाए रखने में मदद करेगी। रुपे नेटवर्क सिक्योर वॉल्ट में ग्राहकों का कार्ड विवरण पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा। एनटीएस के साथ, अधिग्रहण करने वाले बैंक, एग्रीगेटर, मर्चेंट और अन्य लोग खुद को एनपीसीआई से प्रमाणित करवा सकते हैं और सहेजे गए सभी कार्ड नंबरों के खिलाफ टोकन संदर्भ संख्या (फाइल पर टोकन संदर्भ) को बचाने में मदद करने के लिए टोकन अनुरोधकर्ता की भूमिका निभा सकते हैं। हाल ही में, डिजिटल भुगतान फर्म वीजा ने भारत में सीओएफटोकन सेवा शुरू की है। वीजा की कार्ड टोकन सेवा वर्तमान में ग्रोफर्स, बिगबास्केट और मेकमाईट्रिप जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

इंस्टाग्राम यूजर्स अब डेस्कटॉप ब्राउजर से कर सकेंगे पोस्ट

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम ने डेस्कटॉप ब्राउजर से पोस्ट करने का परीक्षण किया, जिसके बाद अब यूजर्स अपने वेब प्लेटफॉर्म से पोस्ट कर सकेंगे। इनगैजेट की रिपोर्ट, इंस्टाग्राम सोशल नेटवर्क अपडेट जारी किया, जो 21 अक्टूबर से यूजर्स अब अपने कंप्यूटर ब्राउजर से फोटो और छोटे वीडियो (एक मिनट से कम) पोस्ट कर सकते है। इस अपडेट से आपको पोस्ट करने के लिए अपने स्मार्टफोन की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन यह उन व्यवसायों और उत्साही लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है जो अपने महंगे कैमरों का बेहतर उपयोग करना चाहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल यूजर्स के लिए भी बहुत सारे अपडेट है। अब उपलब्ध एक कोलैबस परीक्षण सुविधा दो लोगों को पोस्ट और रील को सह-लेखक बनाने देता है। यूजर्स को उन्हें शामिल करने के लिए टैगिंग स्क्रीन से किसी और को आमंत्रित करना होगा। दोनों यूजर्स के अनुयायी पोस्ट देखेंगे, और यह विचार, पसंद और टिप्पणियों को भी शेयर करेगा। 21 अक्टूबर को सभी को नए संगीत-चालित रील प्रभाव दिखाई देंगे, जिनमें सुपरबीट (बीट के साथ सिंक में विशेष प्रभाव) और डायनेमिक लिरिक्स (ट्रैक के साथ प्रवाहित होने वाले 3डी गीत) शामिल है।

अमेजन ने 'डिलीवरथैंक्स' अभियान का दूसरा संस्करण किया शुरू

नई दिल्ली: (एजेंसी)

अमेजन इंडिया ने अपने डिजिटल अभियान 'डिलीवरथैंक्स' का दूसरा संस्करण आज लॉन्च करने की घोषणा की। यह अभियान ग्राहकों को अमेजन की फ्रंटलाईन टीम्स के लिए खुशी व सराहना का संदेश साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ये टीमें ग्राहकों के 'खुशियों के डिब्बे' की सुरक्षित व समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करते हैं। इस अभियान का उद्देश्य अमेजन के ऑपरेशंस नेटवर्क में हजारों एसोसिएट्स के प्रयासों को सम्मानित करना है, जो त्योहारों के लिए ग्राहकों द्वारा की गई खरीद को हर बार उनके घरों पर सुरक्षित व समयबद्ध तरीके से पहुंचाते हैं। 'डिलीवरथैंक्स' का दूसरा संस्करण ग्राहकों को रचनात्मक बनने और डिलीवरी एसोसिएट्स के लिए अपने दरवाजे पर 'थैंक्यू' नोट या पोस्टर लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि डिलीवरी के लिए ग्राहकों के घर पर पहुंचने पर इन डिलीवरी एसोसिएट्स को खुशी मिले। ग्राहक थैंक यू नोट या पोस्टर अपने सोशल मीडिया चैनलों पर पोस्ट करके भी 'थैंक्स डिलीवर' कर सकते हैं। उसने कहा कि इस यूज़र जनरेटेड अभियान के साथ, अमेजन का उद्देश्य अपने फुलफिलमेंट एवं डिलीवरी नेटवर्क में काम करने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट्स, पिकर्स, पैकर्स, सॉर्टर एवं अन्य एसोसिएट्स के प्रति ग्राहकों को अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल कर अपनी खुशी व सराहना साझा करने में समर्थ बनाना है, क्योंकि ये लोग त्योहारों पर उनकी शॉपिंग को संभव बना रहे हैं।

बैंकों का कुल फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष के अंत तक घटकर 6.9प्रतिशत पर आने का अनुमान

मुंबई (एजेंसी):

बैंकों की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) यानी कुल फंसा कर्ज और शुद्ध एनपीए मार्च, 2022 के अंत तक घटकर क्रमशः 6.9-7 प्रतिशत और 2.2 से 2.3 प्रतिशत तक आने का अनुमान है। मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में यह क्रमशः 7.6 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी इक्रा की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए 31 मार्च, 2020 को क्रमशः 8.6 प्रतिशत और 3.0 प्रतिशत थे। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए के मार्च, 2022 तक घटकर 6.9-7 प्रतिशत और 2.2-2.3 प्रतिशत तक आने उम्मीद है। इससे बैंकों के मुनाफे के मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकेगी।' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान किसी नियामकीय राहत के अभाव में नए एनपीए का सृजन उच्चस्तर पर बना रहा। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान नया एनपीए एक लाख करोड़ रुपए (सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत की दर) रहा। वहीं इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2.5 लाख करोड़ रुपए या 2.7 प्रतिशत रहा था। इक्रा का अनुमान हे कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 70,000 से 80,000 करोड़ रुपए या 2.8 से 3.2 प्रतिशत रहेगा। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान इसके घटकर 1.1-1.2 लाख करोड़ रुपए या 2-2.4 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है।

बीएसएनएल को इनमारसैट की ग्लोबल एक्सप्रेस सैटेलाइट संचार सेवाओं के परिचालन का लाइसेंस मिला

नयी दिल्ली (एजेंसी),

वैश्विक मोबाइल सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनी इनमारसैट ने बुधवार को कहा कि उसकी रणनीतिक भागीदार बीएसएनएल ने भारत में ग्लोबल एक्सप्रेस (जीएक्स) मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाएं देने के लिए जरूरी लाइसेंस हासिल किया है। इससे भारतीय घरेलू एयरलाइंस और अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियां देश के ऊपर से उड़ान के दौरान उच्च गति की संपर्क सुविधा प्रदान कर सकेंगी।इनमारसैट ने एक बयान में कहा कि दूरसंचार विभाग से भारत संचार निगम लि. (बीएसएनएल) को उड़ान और समुद्री संपर्क (आईएफएमसी) के दौरान के लिए दिए गए लाइसेंस से ग्लोबल एक्सप्रेस की सुविधा सरकार, विमानन और समुद्री क्षेत्र में भारतीय ग्राहकों को उपलब्ध होगी।यह घोषणा महत्वपूर्ण है। क्योंकि इसका मतलब है कि भारतीय विमानन कंपनियां देश और विदेश में उड़ान के दौरान संपर्क सुविधा के लिये जीएक्स का उपयोग कर सकेंगी। साथ ही इससे भारतीय समुद्र क्षेत्र में काम करने वाली देश की वाणिज्यिक कंपनियां जहाजों के बेहतर संचालन और चालक दल से जुड़ी कल्याण सेवाओं के लिए अपने जहाजों में डिजिटलीकरण को बढ़ाने में सक्षम होंगी। बयान के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की बीएसएनएल को मिले लाइसेंस से जीएक्स सेवाओं की पेशकश सरकार और अन्य उपयोगकर्ताओं को की जा सकेगी। ग्राहकों और अन्य भागीदारों के लिए सेवाओं की शुरुआत चरणबद्ध तरीके से होगी।स्पाइसजेट लि. के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह के हवाले से बयान में कहा गया है, ''हम इस बात से खुश हैं कि उड़ान के दौरान यात्रियों को संपर्क सेवा देने वाली ग्लोबल एक्सप्रेस की सुविधाएं अब भारत में आ रही हैं।'' जीएक्स, के बैंड में काम करता है। यह उच्च गति का ब्रॉडबैंड नेटवर्क है। इसे दुनिया में कहीं भी आवाजाही के दौरान बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करने के मकसद से तैयार किया गया है। यह सेवा उच्च बैंडविड्थ, विश्वसनीयता और सुरक्षा प्रदान करती है। यह आवाजाही के दौरान वाणिज्यिक और सरकारी स्तर के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करती है। इनमारसैट के सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) राजीव सूरी ने कहा, ''आज का दिन इनमारसैट और भारत के साथ हमारी मूल्यवान और दीर्घकालिक भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत ने कहा, तेल की ऊंची कीमतों का वैश्विक पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर होगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

दुनिया के तीसरे सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश भारत ने बुधवार को आगाह करते हुए कहा कि तेल की ऊंची कीमतें वैश्विक आर्थिक पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर डालेंगी। भारत ने सऊदी अरब और ओपेक (तेल निर्यातक देशों के संगठन) के अन्य सदस्य देशों से सस्ती और भरोसेमंद आपूर्ति की दिशा में काम करने को कहा। इस साल मई से कीमतों में वृद्धि के साथ देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये हैं। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सेरा वीक के 'इंडिया एनर्जी फोरम' में कहा, ''अगर ऊर्जा की कीमतें ऊंची बनी रहीं, तो वैश्विक आर्थिक पुनरुद्धार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।''

पिछले साल अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल का दाम टूटकर 19 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। इसका कारण कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये विभिन्न देशों में लगाया गया 'लॉकडाउन' था। इससे मांग काफी निचले स्तर पर पहुंच गयी थी। इस साल टीकाकरण के साथ अर्थव्यवस्था में गतिविधियां तेज होने से मांग बढ़ी। इससे अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड अब 84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इससे ईंधन महंगा हुआ है और मुद्रास्फीति की आशंका बढ़ी है। पुरी ने कहा कि भारत का तेल आयात बिल 2020 में जून तिमाही 8.8 अरब डॉलर था। यह वैश्विक स्तर पर तेल के दाम में तेजी के कारण अब 24 अरब डॉलर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, ''भारत का यह मानना है कि ऊर्जा की पहुंच भरोसेमंद, किफायती और टिकाऊ होनी चाहिए।'' विनाशकारी महामारी के बाद आर्थिक पुनरुद्धार अभी नाजुक स्थिति में है तथा ऐसे में तेल के दाम में तेजी से स्थिति और बिगड़ सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच

भारत ने धोया ऑस्ट्रेलिया को, पंड्या ने लगाया विजयी छक्का

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रोहित ने अपनी पारी में 3 छक्के और 5 चौके लगाए. और आखिर में पंड्या ने छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिला दी.

टी20 विश्व कप 2021 के लिए हमारी भारतीय क्रिकेट टीम पूरी तरह से तैयार है. वॉर्मअप में पहले इंग्लैंड को धोया और अब ऑस्ट्रेलिया को. दोनो ही मैच एकतरफ रहे हैं. रोहित शर्मा ने शानदार 41 गेंदों में 60 रन बनाए हैं. वहीं राहुल की बात करें तो राहुल ने 39 रन बनाए. इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 152 रन बनाए थे. उसके जवाब में इंडिया ने सिर्फ एक विकेट खोया और ये टारगेट को पूरा कर लिया. साफ पता चलता है कि वॉर्मअप मैच में भारतीय ओपनरों का जलवा देखने को मिला है. अगर दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो उनका टॉप ऑर्डर बुरी तरह फ्लॉप रहा. मिचेल मार्श बिना खाता खोले आउट हो गए. इतना ही नहीं वॉर्नर और फिंच सस्ते में चलते बने. हां स्टीव स्मिथ की तारीफ जरुर होनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने 57 रन की पारी खेली है. साथ ही मैक्सवेल ने भी 37 रन बनाए. जो कि आइपीएल से ही फॉर्म में चल रहे हैं. इसके अलावा स्टोयनिस ने 25 गेंदों में शानदार 41 रन बनाए हैं.

राहुल-रोहित ने समां बांध दिया

153 रनों को आसानी से भारतीय ओपनर केएल राहुल और रोहित शर्मा ने हासिल कर लिया. आपको बता दें कि राहुल जैसे ही क्रीज पर आए वो शुरु से ही ताबड़तोड़ शॉट खेलने लगे. और अगर बात रोहित की करें तो उन्होंने सेट के लिए बिल्कुल भी समय नहीं लिया. राहुल ने 3 छक्कों और 2 चौके लगाए. एक बड़े शॉट को खेलते हुए आउट हो गए. तीसरे नंबर पर आए सूर्यकुमार यादव. उन्होंने भी अच्छी बल्लेबाजी की.

पंड्या ने छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई

रोहित ने अपनी पारी में 3 छक्के और 5 चौके लगाए. और आखिर में पंड्या ने छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिला दी. खैर ये तो बात हुई वॉर्मअप मैचों की. अब भारतीय टीम 24 अक्टूबर को अपना पहला मैच पाकिस्तान से खेलेगी. और इन वॉर्मअप मैचों से इतना तो साफ है कि टीम बिल्कुल तैयार है.

अपने ही खिलाड़ी को पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम ने कर दिया ट्रोल, सोशल मीडिया पर भी फैंस भी ले रहे मजे

अबुधाबी।(एजेंसी)।

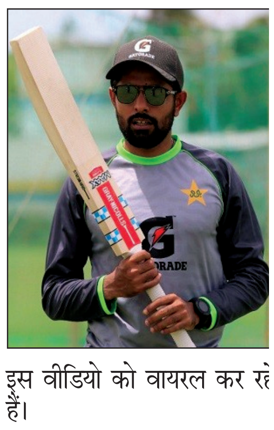

भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप का मुकाबला 24 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों ही टीमें अपने-अपने वार्म अप मैच खेल रही हैं। इन सब के बीच पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वार्म अप मैच खेला। इस वार्म अप मैच को पाकिस्तान ने जीत लिया। इन सब के बीच इस मैच के दौरान एक जबरदस्त घटना घटी। दरअसल, फील्डिंग को लेकर अपने ही साथी खिलाड़ी शादाब खान को बाबर आजम ने ट्रोल कर दिया। बाबर आजम अपने ही खिलाड़ी शादाब खान को बुड्ढा हो गया कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। बाबर आजम की आवाज स्टम्प्स माइक में साफ तौर पर सुनाई दे रही है।

यह मौका तब आया जब मैच के पहले ही ओवर में शाहिन अफरीदी की गेंद पर वेस्टइंडीज के बल्लेबाज लैंडल सिमंस ने सिंगल्स चुराने की कोशिश की जिसमें उन्हें कामयाबी भी मिली। उस दौरान शादाब खान पॉइंट पर फील्डिंग कर रहे थे। शादाब खान ने फुर्ती जरूर दिखाई लेकिन वह रन आउट करने में नाकाम रहे। शादाब खान के इस असफल प्रयास के बाद कप्तान बाबर आजम गुस्से में दिखे और उन्होंने शादाब खान को 'बूढ़ा हो गया है.. बूढ़ा हो गया है..जवानी में ये रन आउट कर देता' कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। बाबर आजम के ट्रोल के अंदाज का सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। लोग इस वीडियो को वायरल कर रहे हैं।

बाबर का बल्ला चला

कप्तान बाबर आजम ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक जमाया जिससे पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अपने पहले अभ्यास मैच में मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया। वेस्टइंडीज की टीम अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करने में नाकाम रही और पहले बल्लेबाजी का करते हुए सात विकेट पर 130 रन ही बना पायी। उसका कोई भी बल्लेबाज पाकिस्तान के तेज और स्पिन मिश्रित आक्रमण के सामने खुलकर नहीं खेल पाया। पाकिस्तान को लक्ष्य हासिल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। आजम ने 41 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाये जबकि फखर जमां ने 24 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की बदौलत नाबाद 46 रन की तूफानी पारी खेली जिससे पाकिस्तान ने 15.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर दिया।

टी20 विश्व कप के मुख्य मैचों में गेंदबाजी कर सकता है हार्दिक पंड्या : रोहित शर्मा

दुबई। भारतीय उपकप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि टीम जब रविवार को यहां टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगी तो उम्मीद है कि आलराउंडर हार्दिक पंड्या गेंदबाजी करने के लिये तैयार रहेंगे। आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में विराट कोहली को विश्राम दिये जाने के कारण टीम की अगुवाई कर रहे रोहित ने कहा कि मुख्य टूर्नामेंट के दौरान टीम को छठे गेंदबाज की जरूरत पड़ेगी। रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में टॉस के दौरान कहा, ''हार्दिक अच्छी प्रगति कर रहा है लेकिन उसके गेंदबाजी करने में अभी कुछ समय लगेगा। उसने गेंदबाजी शुरू नहीं की है, लेकिन उसे टूर्नामेंट की शुरुआत तक गेंदबाजी करने के लिये तैयार होना चाहिए।''उन्होंने कहा, ''हमारे मुख्य गेंदबाज बहुत अच्छे हैं, लेकिन आपको छठे गेंदबाज के लिए एक विकल्प की जरूरत पड़ेगी। '' भारत रविवार को यहां अपने शुरुआती मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा। टूर्नामेंट से पहले पंड्या की फिटनेस चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गेंदबाजी नहीं की। टीम प्रबंधन लगातार कहता रहा है कि पंड्या की गेंदबाजी टीम संतुलन के लिये बेहद महत्वपूर्ण है। कोहली के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को भी आस्ट्रेलिया के खिलाफ अभ्यास मैच में विश्राम दिया गया। रोहित ने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमें छठा गेंदबाजी विकल्प मिले। बल्लेबाजी में भी हम कुछ विकल्प चाहते हैं। हम आज उन सभी चीजों को आजमाएंगे। हम भी पहले बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर बनाना चाहते थे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उनका मानना है कि वह ऐशेज टीम में जगह बनाने की दौर में शामिल नहीं हैं।

पैटिंसन ने इस उम्मीद के साथ इस साल घरेलू क्रिकेट की शुरूआत की थी कि अच्छे प्रदर्शन के बाद वह ऐशेज टीम में जगह बना लेंगे। हालांकि, कोरोना के कारण विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्श में लॉकडाउन लगा, घरेलू क्रिकेट रुका और उनकी तैयारियां प्रभावित हुईं।

इसके अलावा उन्हें चोट भी लगी है, जिसके कारण वह यह निर्णय लेने पर मजबूर हुए। हालांकि वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कॉउंटी क्रिकेट भी खेलने के संकेत दिए। उन्होंने कहा, मैं सीजन की शुरूआत यह सोच कर किया था कि मैं ऐशेज टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करूंगा, लेकिन अब लग रहा है कि मेरी तैयारियां अधूरी हैं। अगर मैं चुना भी जाता हूं तो इस तैयारी के साथ अपने चयन को न्याय नहीं कर पाऊंगा। आपको उसके लिए 100 फीसदी फिट होना होता है, जो मैं अभी महसूस नहीं कर रहा।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैंने सर्वोच्च स्तर पर खेलने की बजाय विक्टोरिया के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया है, ताकि मैं अपने बचे हुए तीन-चार के क्रिकेट करियर में राज्य के युवा तेज गेंदबाजों के उभार में मदद कर सकूं। इसके अलावा मैं इंग्लैंड में क्रिकेट खेलूंगा और परिवार के साथ समय बिताऊंगा।

जनवरी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद पैटिंसन ने कोई टेस्ट मैच खेला है। पिछले और इस साल की शुरूआत में भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान वह पसलियों में फ्रैक्च र से जूझ रहे थे। उन्होंने माना कि यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूर होने का सही समय है।

पैटिंसन ने कहा, मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को मुझमें भरोसा जताने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका देने के लिए उनको धन्यवाद देता हूं। इसके अलावा मैं अपने सभी साथी क्रिकेटरों का शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने इस खूबसूरत सफर में मेरा साथ दिया। खासकर, जब मैं चोटिल था तो सीए और साथी खिलाड़ियों ने मुझे हौसला दिया और विश्वास बनाए रखा। इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। ऑस्ट्रेलिया के चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जिन्होंने भी पैट के साथ खेला है, वह उनके प्रतिस्पर्धी स्वभाव को जानते हैं। उनके साथ खेलने से पता चलता है कि इस देश के लिए क्रिकेट खेलना कितने त्याग, समर्पण और गर्व की बात है। उनके रिकॉर्ड बताते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। हम उन्हें और भी खेलते देखना पसंद करते।

पैटिंसन ने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरूआत की थी और पहले दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लिए थे। हालांकि उनका करियर चोटों से जूझता रहा और बहुत प्रभावित हुआ। इस कारण वह अपने 10 साल के लंबे करियर में सिर्फ 21 टेस्ट खेल पाए, जिसमें उन्होंने 26.33 की औसत और 48.90 की स्ट्राइक रेट से 81 विकेट लिए। उन्होंने 15 वन डे और चार टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच भी खेला है। हालांकि 2015 से वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ लाल गेंद की क्रिकेट खेल रहे हैं।

जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से रह सकते हैं बाहर

सिडनी। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना कोविड-वैक्सीन स्टेटस बताने से इंकार किया है, जिसके बाद से उनके अगले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने पर संशय पैदा हो गया है। स्टेट ऑफ विक्टोरिया ने कहा है कि पूरी तरह से वैक्सीनेटेड नहीं हुए खिलाड़ी इस इवेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। संघीय आव्रजन मंत्री एलेक्स हावकी ने बुधवार को एबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में राज्य के इस फैसले की पुष्टि की है, हावकी ने कहा, सरकार ने अपनी सीमाएं स्थापित करते हुए कहा है कि ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए आपको दोहरा टीका लगवाना होगा। विक्टोरियन प्रीमियर डेनियल एंड्रयूज इस बात पर अड़े हुए हैं कि किसी के लिए भी छूट नहीं दी जाएगी। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने कहा, मुझे अब भी नहीं पता कि मैं मेलबर्न जा पाऊंगा या नहीं। मैं अपना स्टेटस नहीं बताऊंगा कि मैंने वैक्सीन ली है या नहीं। यह एक निजी मामला है और एक अनुचित जांच है। जोकोविच नौ बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर चुके हैं।

आयरलैंड से होने वाले मुकाबले से पहले शीर्ष क्रम के फॉर्म को लेकर चिंतित है श्रीलंका

अबू धाबी (एजेंसी)।

मौजूदा आईसीसी टी-20 विश्व कप के अपने पहले क्वालीफायर मुकाबले में नामीबिया पर सात विकेट से आसान जीत दर्ज करने के बावजूद श्रीलंका अपने शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी को लेकर चिंतित है।नामीबिया के खिलाफ तो श्रीलंका को सिर्फ 97 रन बनाने थए लेकिन आयरलैंड के खिलाफ बल्लेबाजों का चलना बहुत जरूरी है। गौरतलब है कि वनडे विश्वकप में आयरलैंड ने पाकिस्तान से लेकर इंग्लैंड तक को धूल चटाई है। यह टीम बड़े उलटफेर करने के लिए जानी जाती है। इस कारण लंका को अपनी बल्लेबाजी पर काम करना होगा।

दरअसल इस मैच में उसके तीनों शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पथुम निसंका, कुशल परेरा और दिनेश चांदीमल ज्यादा कुछ नहीं कर पाए थे। तीनों क्रमश- पांच, 11 और पांच रन बना कर आउट हो गए थे, हालांकि बाद में मध्य क्रम के बल्लेबाजों अविष्का फर्नांडो और भानुका राजपक्षे ने शानदार पारियां खेल कर टीम को आसान जीत दिलाई थी। फर्नांडो ने जहां दो छक्कों की बदौलत 28 गेंदों पर 30, वहीं राजपक्षे ने चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 27 गेंदों पर 42 रन की विस्फोटक पारी खेली थी।

सिंधू को ऑल इंग्लैंड खिताब जीतने पर ध्यान देना चाहिए : पादुकोण

मुंबई (एजेंसी)।

अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने मंगलवार को कहा कि भारतीय स्टार पी वी सिंधू अभी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी है लेकिन उन्हें ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतने पर ध्यान देना चाहिए जिसे वह अभी तक नहीं जीत पायी हैं। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली सिंधू मौजूदा विश्व चैंपियन है। उन्होंने सभी बड़ी प्रतियोगिताएं जीती हैं लेकिन अभी तक ऑल इंग्लैंड का खिताब नहीं जीत पायी हैं।

भारत के पहले ऑल इंग्लैंड चैंपियन पादुकोण ने कहा, ''अगर मैं उनकी (सिंधू) जगह होता तो मेरी प्राथमिकता यह खिताब (ऑल इंग्लैंड) जीतना होता। यह एकमात्र खिताब है जिसे वह नहीं जीत पायी है बाकी मुझे लगता है कि उसने शानदार प्रदर्शन किया है।'' उन्होंने कहा, ''वह सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी है। उसने प्रत्येक टूर्नामेंट जीता है। ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप। ऑल इंग्लैंड ऐसा है जो उसकी ट्राफियों में शामिल नहीं है।

11वीं नेशनल जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप झारखंड के सिमडेगा में शुरू, 26 राज्यों की टीमें ले रही हैं भाग

रांची। झारखंड के सिमडेगा में 11वीं नेशनल जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप आज से शुरू हो गयी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसका उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में 26 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। इसी प्रतियोगिता के आधार पर इंडियन हॉकी जूनियर टीम की खिलाड़ियों का चुनाव किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के सभी मैचों का सीधा प्रसारण वर्ल्ड हॉकी फेडरेशन के जरिए 18[illegible] देशों में किया जा रहा है। चैंपियनशिप के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने सिमडेगा में बनने वाली इंटरनेशनल हॉकी एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम की भी आधारशिला रखी। प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर हॉकी इंडिया का अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निगमबम, हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, झारखंड के खेल सचिव अमिताभ कौशल, खेल निदेशक जीशान कमर भी उपस्थित रहे। इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन ने उम्मीद जतायी कि इस टूर्नामेंट के जरिए ऐसे खिलाड़ियों की पहचान होगी, जिनपर आनेवाले दिनों में पूरे देश का नाम ऊंचा करने की चुनौती होगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। पूल ए में झारखंड के साथ केरल, तमिलनाडु, पूल-बी में हरियाणा, असम, राजस्थान, पूल-सी में मिजोरम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को रखा गया है। पूल-डी में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर की टीम है। पूल-ई में महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात, पूल-एफ में चंडीगढ़, बिहार, गोवा, जम्मू और कश्मीर, पूल-जी में ओड़िशा, छत्तीसगढ़, हिमाचल, मध्य प्रदेश तथा पूल -एच में कर्नाटक, पंजाब, पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप पांडिचेरी की टीम को शामिल किया गया है। बता दें कि झारखंड के सिमडेगा और खूंटी जिले की पहचान हॉकी की नर्सरी के रूप होती है। इसी साल आयोजित ओलंपिक में भारतीय महिला टीम की ओर से खेलने वाली सलीमा टेटे सिमडेगा और निक्की प्रधान खूंटी की रहनेवाली हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा भी सिमडेगा की ही हैं।

महेंद्र सिंह धोनी 40 साल की उम्र में भी हम सभी खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर दे सकते हैं , के एल राहुल का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के बल्लेबाज केएल राहुल ने मंगलवार को कहा कि एमएस धोनी को आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के लिए मेंटर के रूप में रखने से शांति का एहसास होता है। ओपनर बल्लेबाज ने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को टीम के मेंटर के रूप में देखने के लिए काफी उत्सुक हूं। भारत अपने अभियान की शुरुआत आगामी टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 24 अक्टूबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में करेगा। विराट कोहली के पक्ष में एमएस धोनी की सेवाएं भी होंगी क्योंकि भारत के पूर्व कप्तान एक संरक्षक (मेंटर) के रूप में कार्य करेंगे। एमएस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी की और टीम को चौथी बार आईपीएल खिताब जितवाया। युवा खिलाड़ियों की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को चेन्नई ने धोनी की कप्तानी में हराया था।

रेड बुल द्वारा आयोजित एक क्लब हाउस सत्र के दौरान केएल राहुल ने महेंद्र सिंह धोनी की तारीफ करते हुए अपने बयान में कहा कि हममें से किसी को भी यकीन नहीं है कि आईपीएल 2021 का फाइनल उनका आखिरी मैच था। मैं एमएस धोनी को और अधिक वर्षों तक खेलते देखना पसंद करूंगा यदि वह खेलना चाहते हैं। हाँ, यह देखना बहुत अच्छा था कि सीएसके ने टूर्नामेंट में कैसे खेला और वे इस सीरीज को जीतने के लिए सबसे योग्य थे। जाहिर है, टीम के साथ एमएस धोनी का वापस आना अद्भुत है क्योंकि हम उनके अधीन खेले हैं और जब वह हमारे कप्तान थे, तब भी हमने एक संरक्षक के रूप में उनकी ओर देखा है। केएल राहुल ने आगे कहा कि सीएसके ने 2010, 2011, 2018 और 2021 में एम एस धोनी की कप्तानी में ही यह चारों खिताब जीते हैं।

पूर्व कप्तान धोनी की तारीफ करते हुए के एल राहुल ने आगे कहा कि 40 साल का होने के बावजूद एम एस धोनी अभी भी किसी यंगस्टर्स की तरह लंबे-लंबे छक्के लगा सकते हैं। जब वह भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान थे हम सभी खिलाड़ी उनकी काफी इज्जत करते थे। वह बहुत ही शांति के साथ ड्रेसिंग रूम मे हमें सीखाते थे। हम जब मदद के लिए उनकी तरह ही देखते थे। अब विश्व कप के दौरान उनका यहा होना अद्भुत होगा। उनकी मौजूदगी हमारे हौंसले को आर बढ़ाएगी। पहले दो से तीन दिनों में उनके साथ समय बिताना और यह बहुत मजेदार रहा है। क्रिकेट, कप्तानी और क्रिकेट की सभी चीजों के बारे में अपने दिमाग को चबाने के लिए उत्सुक हूं।

एमएस धोनी की फिटनेस के बारे में बात करते हुए, राहुल ने कहाः 'मुझे लगता है कि धोनी हम में से किसी को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं, वह निश्चित रूप से एक ऐसे व्यक्ति है जो गेंद को सबसे दूर हिट कर सकते हैं, वह बहुत मजबूत है और वह विकेटों के बीच अच्छे है। भारत ने सोमवार को अभ्यास मैच में इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया और केएल राहुल ने 51 रनों की पारी खेली। ईशान किशन भी एक उज्ज्वल स्थान थे क्योंकि उन्होंने 70 रनों की पारी खेली थी।

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमश: 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अत: राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्था पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग

तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री ह्रदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभाव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बड्र्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरसः ब्रिटेन में संक्रमण से एक दिन में 223 मौत, आंकड़ा काफी चिंताजनक

लंदन। दुनिया में कोरोना संक्रमण के मामले पहले के मुकाबले हालांकि काफी कम हुए हैं, लेकिन अभी भी कोरोना वायरस का खतरा टला नहीं है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन ने कोरोना से 223 मौतों की सूचना दी जो मार्च के बाद का उच्चतम आंकड़ा है। अब तक कुल 43,738 नए मामले भी दर्ज किए गए।

अमेरिकाः तीन भारतवंशियों समेत 19 उभरते युवा नेताओं को व्हाइट हाउस फेलो के रूप में किया गया नामित

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने तीन भारतीय-अमेरिकियों समेत 19 उभरते युवा नेताओं को 2021-22 के लिए अपने फेलो के रूप में नामित किया है। व्हाइट हाउस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत कई पृष्ठभूमियों के पेशेवर चुने जाते हैं, जो एक साल तक व्हाइट हाउस कर्मियों, कैबिनेट मंत्रियों और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के पूर्णकालिक फेलो के रूप में कार्य करते हैं और इसके लिए उन्हें वेतन भी दिया जाता है।

सूची में जगह बनाने वालों में सनी पटेल, जॉय बसु और आकाश शाह शामिल

इस सूची में जगह बनाने वाले तीन भारतीय-अमेरिकियों में कैलिफोर्निया के सनी पटेल एवं जॉय बसु तथा न्यूजर्सी के आकाश शाह शामिल हैं। सैन फ्रांसिस्को की जॉय बसु को 'व्हाइट हाउस जेंडर पॉलिसी काउंसिल में नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह प्रामाणिक और प्रभावित करने वाले विकास संबंधी नवीन व्यवसायों के लिए एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं। सनी पटेल को गृह सुरक्षा विभाग में नियुक्त किया गया है। पटेल एक बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों और परिवारों के लिए समान स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करना चाहते हैं। तीसरे भारतवंशी आकाश शाह को स्वास्थ्य एवं मानवसेवा विभाग में नियुक्त किया गया है। जॉय बसु टीपीजी ग्रोथ में पहली चीफ ऑफ स्टाफ थीं, जहां उन्होंने 'द राइज फंड' का निर्माण किया, जो एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी निवेश मंच है। सनी पटेल ने हाल ही में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में अपनी फेलोशिप पूरी की, जहां उन्होंने बाल चिकित्सा कैंसर क्लीनिक में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी एक मॉडल बनाया था।

अफगानिस्तान : पूर्व राष्ट्रपति करजई ने तालिबान को दी सलाह, कहा- वैश्विक मान्यता पाने के लिए पहले देश के लोगों का प्यार जीतना होगा

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने तालिबान को सलाह दी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता हासिल करने के लिए उसे पहले देश के लोगों का प्यार जीतना होगा। उन्होंने वायस आफ अमेरिका (वीओए) के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि तालिबान को चुनावों के जरिये या लोया जिरगा (एक राष्ट्रीय भव्य सभा) आयोजित करके राष्ट्रीय वैधता हासिल करना चाहिए।

करजई ने यह भी कहा कि इस्लामी अमीरात के पास देश चलाने के लिए एक संविधान होना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय वैधता और अंतरराष्ट्रीय मान्यता महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए काम करना चाहिए और अफगानिस्तान के संविधान को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय वैधता या तो चुनावों के माध्यम से अथवा लोया जिरगा आयोजित करके हासिल की जा सकती है।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को देश में दखल न करने के लिए भी कहा

करजई ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को काबुल के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, वह अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है, जबकि पाक इन दिनों इस तरह से बोलता है जैसे कि वह हमारा प्रतिनिधित्व करता है। अफगानिस्तान के पत्रकार संघ ने देश के मीडिया का समर्थन करने और मीडिया की आजादी के लिए खड़े होने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कहा है कि यहां सरकारी विभागों में प्रवक्ताओं की नियुक्ति के बाद भी सूचनाओं की पहुंच में कमी है। उन्होंने इस्लामी अमीरात के अधिकारियों से पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने की अपील भी की।

नेपाल में जानलेवा बारिश से हाहाकार, अब तक 21 लोगों की मौत, 24 लापता

काठमांडू। भारत के बाद अब नेपाल में भी भारी बारिश और भूस्खलन से हाहाकार मचा हुआ है।

इस घटना में अबतक 21 लोगों की मौत हो गई है और 24 लोग लापता हैं। स्थानीय प्रशासन ने इसकी जानकारी दी है। राहत और बचाव कार्य जारी है। स्थिति इतनी भयावह है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों परिवारों को अपने घर छोड़कर दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। काठमांडू टाइम्स के अनुसार, बेमौसम बारिश के कारण आई आपदा से सुदूरपश्चिम प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

ये इलाके अत्यधिक प्रभावित

नेपाल के कंचनपुर, डोटी, कैलाली, डडेलधुरा, बैतडी, और बझांग जिले बाढ़ से अत्यधिक प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा महाकाली, करनाली और सेती नदियों में दशक का सबसे अधिक जल स्तर दर्ज किया गया है, जिससे जानमाल का भारी नुकसान हो रहा है। डोटी के जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम नौ लोग मारे गए और एक लापता है।

कोरोना का खौफ : चीन के दो उत्तरी क्षेत्रों में फिर लगा लॉकडाउन, नौ स्थानीय लोगों में मिला वायरस

बीजिंग। चीन ने कोरोना वायरस के खौफ में अपने दो उत्तरी क्षेत्रों में लॉकडाउन लगा दिया है। चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन ने बताया कि सोमवार को नौ स्थानीय लोगों में वायरस मिला है। जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रशासन ने इन क्षेत्रों में जांच शुरू करने के साथ इनको पूरी तरह सील कर दिया है। हेल्थ कमीशन के अनुसार नौ नए मरीजों में से पांच शांक्सी प्रांत में जबकि दो मामले चीन के क्षेत्र वाले इन मंगोलिया में मिले हैं। प्रशासन ने संक्रमण के मामले सामने आने के बाद आदेश जारी कर दिया है कि इस क्षेत्र के लोग बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं निकलेंगे। प्रशासन ने इनर मंगोलिया क्षेत्र के सभी प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिया है। इसके साथ ही 36 हजार लोगों की कोरोना जांच का फैसला किया है। संक्रमण वाले क्षेत्रों में डिसइंफेक्शन का काम शुरू हो गया है।

नेपाल को चीन से दान में मिलेंगे बीस लाख अतिरिक्त टीके

काठमांडू। नेपाल को चीन से कोरोना टीकों की बीस लाख अतिरिक्त खुराक दान में मिलेंगी। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत के बाद यह जानकारी सामने आई है। मंगलवार को नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से फोन पर बात की थी।

तालिबान ने आत्मघाती हमलावरों को बताया इस्लाम का 'हीरो', परिजनों को जमीन देकर करेगा सम्मानित

काबुल। अफगानिस्तान में जबरन कब्जा कर सरकार बनाने वाले तालिबानी अपनी वास्तविकता को दबाने में अशफल साबित हो रहे हैं। दुनिया से मान्यता के लिए अच्छे होने का ढोंग कर रही तालिबान सरकार का दोहरा चेहरा एक बार फिर उजागर हो गया है। तालिबान के एक शीर्ष मंत्री ने अपने आत्मपघाती हमलावरों (सुसाइड बॉम्बर्स) की जमकर तारीफ की है जिनकी हमलों के दौरान जान जा चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान सरकार में गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी इन आत्मपघाती हमलावरों के परिजनों से मुलाकात की और हमले में मारे गए लोगों को हीरो तक कह दिया।

अफगान स्टेट ब्रॉडकास्टर RTA ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि तालिबान के शीर्ष मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने मारे गये जिहादियों को शहीद और मुजाहिद्दीन कहा। इतना ही नहीं गृहमंत्री ने इन्हें इस्लाम और देश का हीरो भी बताया। बता दें कि सिराजुद्दीन हक्कानी यूनाइटेड स्टेट की लिस्ट में एक आतंकवादी है और उसके सिर पर 10 मीलियन डॉलर का ईनाम है। सिराजुद्दीन हक्कानी ने मरे हुए सभी सुसाइड बॉम्बर्स के परिजनों को 125 डॉलर और एक जमीन का टुकड़ा देने का ऐलान भी किया।

बता दें कि हक्कानी नेटवर्क का संस्थापक सिराजुद्दीन का पिता जल्लालुउद्दीन हक्कानी था। अफगानिस्तान में पिछले दो दशकों में कई खूनी आतंकी हमलों का श्रेय इस आतंकवादी संगठनों पर है। इधर रूस में विदेश मंत्री ने कहा कि उनका देश तालिबान को आधिकारिक तौर से मान्यता नहीं देगा। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अभी के लिए वो चाहते हैं कि इस्लामिक ग्रुप अच्छे वादे करे जो वादे उसने अफगानिस्तान में सत्ता हथियाने के बाद किये थे।

चीन ने शिनजियांग के क्रूर प्रशासक वांग झुनझेंग को बनाया तिब्बत का सचिव

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के क्रूर प्रशासक वांग जुनझेंग को पार्टी की तिब्बत इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के मानवाधिकार उल्लंघन में कथित भूमिका के चलते अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और कनाडा ने उनपर प्रतिबंध लगाया था।

समाचार एजेंसी के अनुसार जुनझेंग को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रीय समिति के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।वह वू यिंगजी की जगह लेंगे। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार जुनझेंग पर मार्च में तब प्रतिबंध लगाए गए थे, जब वह शिनजियांग प्रांत में पार्टी के उपसचिव और सुरक्षा प्रमुख थे। जुनझेंग की पदोन्नति दिखाती है कि शिनजियांग प्रांत में अपनी नीतियों को लेकर चीन पश्चिम की आलोचनाओं और प्रतिबंधों की कोई परवाह नहीं करता।

गर्त में डूबी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, 51.6 अरब डालर बाहरी मदद की सख्त जरूरत

इस्लामाबाद। हर मोर्चे पर असफल इमरान खान सरकार के राज में पाकिस्तान लगातार बर्बादी की ओर बढ़ रहा है और इसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह गर्त में डूब चुकी है।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के हालात इस क्र बिगड़ चुके हैं कि देशवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान को अगले दो वर्ष भीतर करीब 9 लाख 92 हजार करोड़ रुपए(पाकिस्तानी मुद्रा) की बाहरी मदद की जरूरत है। अब तक सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को बाह्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए 51.6 अरब डालर (भारतीय मुद्रा में 38.73 खरब रुपए) की जरूरत है ताकि वह अपने दो साल (2021-23) के वित्त वर्ष की मूलभूत जरूरतों को पूरा कर सके।

द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से बहुत काट-छांट के आकलन करने के बाद भी खस्ताहाल पाकिस्तान की बाह्य वित्तीय आवश्यकताएं वर्ष 2021-22 में 23.6 अरब डालर रही थीं और वित्त वर्ष 2022-23 में 28 अरब डालर की हैं। अगर अंतर्राष्ट्रीय वित्त सुविधा विस्तारित फंड सुविधा के तहत पाक को यह रकम नहीं मिलती है

तो वह आर्थिक तौर पर तबाह होने की तरफ बढ़ जाएगा। IMF के ऋण कार्यक्रम की पात्रता खोने के बाद पाक को विश्व बैंक व एशियन डवलपमेंट बैंक जैसे बहुस्तरीय कर्जदारों से भी ऋण नहीं मिल पाएगा। बता दें कि IMF के कर्मचारी स्तर पर हुए समझौते के तहत बाहरी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमताओं में आए अंतर को पाटने की कोशिश में पाकिस्तान के लिए अनुदान की राशि जुटाई जाती है।

अमेरिका से खिंचाव के बीच IMF के साथ मौजूदा छह अरब डालर के श्श्स्न्न (एक्सटेंडेड फंड फैसेलिटी) के तहत बाहरी जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज देने के प्रोग्राम को स्थगित करना खतरे से खाली नहीं होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान को कर्ज देने वाले विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक भी हैं। इन वैश्विक कर्जदाताओं की मदद से पाकिस्तान की मूलभूत जरूरतों को पूरा किया जाता है। यह कर्जदाता एजेंसियां आगे चलकर पाकिस्तान की रेटिंग को और कम कर सकती हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार IMF ने पाकिस्तान से कहा है कि वह कराधान प्रणाली की खामियों को दूर करे और विभिन्न स्तरों पर GST की छूट और दरों को 17 फीसदह्न के मानक सरल करे। हालांकि पाकिस्तान का प्रशासन इन सुधारात्मक सुझावों का विरोध कर रहा है। उसके इस रवैये की वजह से पहले उपेक्षित कृषि क्षेत्र और बर्बाद हो गया है।

'जिहादिस्तान' बनता जा रहा है बंगलादेश, मदरसे फैला रहे नफरतः तसलीमा नसरीन

ढ़ाका। बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा की घटनाओं से क्षुब्ध प्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा कि उनका देश अब 'जिहादिस्तान' बनता जा रहा है जहां सरकार अपने राजनीतिक लाभ के लिए मजहब का इस्तेमाल कर रही है और मदरसे कट्टरपंथी पैदा करने में लगे हैं। बंगलादेश से 28 वर्ष पहले निष्कासित लेखिका ने कहा कि मैं अब इसे बंगलादेश नहीं कहती। सभी सरकारों ने इस्लाम को राजधर्म बना दिया जिससे वहां हिंदुओं और बौद्धों की स्थिति दयनीय हो गई है। अपने लेखन के कारण हमेशा कट्टरपंथियों के निशाने पर रहीं तसलीमा ने पूछा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को बखूबी पता है कि दुर्गा पूजा के समय हमेशा हिंदुओं पर जिहादियों के हमले का खतरा रहता है तो

उनकी सुरक्षा के उपाय क्यों नहीं किए गए? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अब दहशत के कारण बचे-खुचे हिंदू भी वहां नहीं रहेंगे।

तसलीमा ने बेशुमार संख्या में मदरसों और मस्जिदों के निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि बंगलादेश में बेवजह इतनी मस्जिदें और मदरसे बनाए जा रहे हैं। मजहबी उपदेशों की वाज महफिलों का भी चलन बढ़ गया है जो अनपढ़ गरीबों को इस्लाम के नाम पर कट्टरपंथी बना रही हैं। उधर, बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गृहमंत्री असदुजमान खान को दुर्गा पूजा के दौरान हिंदू समुदाय के लोगों के घरों और मंदिरों को निशाना बनाने के पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसी बीच अमरीका ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के लोगों पर हमलों की कड़ी भर्त्सना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि धर्म चुनने की आजादी, मानवाधिकार है। इस बीच हिंसा करने के आरोप में अब तक 450 लोगों को पकड़ा गया है।

मानव शरीर में सुअर की किडनी का सफल ट्रांसप्लांट कर डॉक्टरों को मिली बड़ी कामयाबी

न्यूयॉर्क। पूरी दुनिया में मेडिकल साइंस काफी तरक्की कर चुका है। इसी बीच एख नई खबर सामने आई हैं। दरअसल, अमेरिकी डॉक्टरों को पहली बार एक मानव शरीर में एक सुअर की किडनी को ट्रांसप्लांट करने में सफलता मिली है और उस शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र ने तत्काल उस अंग को खारिज नहीं किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया को न्यूयॉर्क सिटी में एनवाईयू लैंगन हेल्थ में एक सुअर के साथ अंजाम दिया गया और उसके जीन को बदल दिया गया था ताकि मानव शरीर उसके अंग को तत्काल खारिज न करे। यह ट्रांसप्लांट एक ब्रेन डेड मरीज में किया गया जिसकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया था। लाइफ सपोर्ट से हटाने से पहले उनके परिवार ने परीक्षण की अनुमति दी थी, जिसके

बाद डॉक्टरों ने यह एक्सपेरीमेंट किया।

तीन दिनों तक नई किडनी उनकी रक्त वाहिकाओं से जुड़ा हुआ था और उसके शरीर के बाहर रखा गया था। डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट को सामान्य करार दिया।अमेरिका में यूनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग के अनुसार, वर्तमान में लगभग 1,07, 000 लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें 90,000 से अधिक लोग किडनी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए औसतन तीन से पांच साल तक इंतजार करना पड़ता है।

तालिबान की राह पर चीन, बच्चों ने की गलती तो मां-बाप जाएंगे जेल!

बीजिंग। चीन में अब बच्चों की गलती की सजा माता-पिता को भुगतना पड़ेगी। इसके लिए बकायदा चीनी संसद में कानून बनाया जा रहा है। इसके तहत बच्चों द्वारा किसी अपराध को अंजाम देने या बुरा व्यवहार करने पर मां-बाप को सजा दी जाएगी। 'फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ'के मसौदे के तहत तैयार किए जा रहे इस कानून में यदि कोर्ट को लगेगा कि माता-पिता की देखरेख में बच्चों में बहुत बुरा या आपराधिक प्रवृत्ति पाई जा रही है तो अभिभावकों को फटकार लगाई जाएगी। इसके अलावा पारिवारिक शिक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रमों में जाने का आदेश दिया जाएगा।

फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एन.पी.सी.) के तहत विधायी मामलों के आयोग के प्रवक्ता जांग तिवेईक ने कहा कि किशोरों के दुर्व्यवहार करने के कई कारण होते हैं और अनुपयुक्त पारिवारिक शिक्षा इसका प्रमुख कारण है। 'फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ' का मसौदे

की इस हफ्ते एन.पी.सी. की स्टैंडिंग कमेटी द्वारा समीक्षा की जाएगी। एन.पी.सी. ने अभिभावकों से गुजारिश की है कि वे अपने बच्चों के आराम करने, खेलने और एक्सरसाइज करने के लिए समय निर्धारित करें। बीजिंग ने इस साल अधिक मुखर तरीके से बच्चों से जुड़े मसलों पर कार्रवाई की है।

आखिर इस नए कानून में क्या है?

नए कानून के मसौदे के तहत अगर बच्चों ने कानूनी उम्र से कम उम्र में कोई अपराध किया है, तो उनके माता-पिता को अधिकारियों द्वारा सजा दी जाएगी। चीन में अधिकांश अपराधों के लिए कानूनी उम्र 16 है। अगर परिवार नियमों का पालन नहीं करता है तो उन्हें चेतावनी दी जाएगी। अपराध की गंभीरता के आधार पर अभिभावकों पर 1000 युआन (लगभग 11 हजार रुपये) का फाइन लगाया जाएगा या उन्हें पांच दिनों तक हिरासत में रखा जाएगा। चीन का कहना है कि इस कानून का मकसद पूरे देश में पालन-पोषण कौशल, नैतिकता और समाजवाद के मूल मूल्यों को बढ़ावा देने है।

अजब मामला : 7 मई को निधन हुआ और 18 अक्टूबर को आया वैक्सीन की डोज लगने का मैसेज

गाजियाबाद। कोरोना से बचाव के लिए सुरक्षा कवच बना कोरोनारोधी टीका जीते जी लोगों को कतार में लगने के बाद भी बेशक नहीं लग पा रहा हो लेकिन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने पांच माह पहले कोरोना से जान गंवा चुके बुजुर्ग को टीके की दूसरी डोज जरूर लगा दी है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के इस सनसनीखेज मामले के उजागर होते ही अधिकारियों के भी होश उड़ गए। सीएमओ ने इस प्रकरण की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

शास्त्रीनगर के रहने वाले कपिल सक्सेना ने बताया कि उनके 79 वर्षीय पिता विश्व बिहारी सक्सेना ने 18 मार्च 2021 को कविनगर स्थित मानव अस्पताल में कोरोनारोधी टीके की पहली डोज लगवाई थी। कोरोना संक्रमित होने पर 7 मई को उनका निधन हो गया। कपिल के मुताबिक 18 अक्टूबर की शाम को उनके मोबाइल फोन पर संदेश आया कि विश्व बिहारी सक्सेना को वैक्सीन की दूसरी डोज सफलतापूर्वक लग गई है। कोविन एप से प्रमाण-पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। कपिल ने प्रमाणपत्र डाउनलोड किया तो वह चौक गए। तुरंत कोविन एप पर इसकी शिकायत दर्ज कराते हुए जांच का अनुरोध किया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, खोजे जाएंगे बुखार के मरीज

गाजियाबाद। डेंगू-मलेरिया व मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो गया है। डीएम राकेश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की। संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल से शुरू हुए इस अभियान के तहत 17 नवंबर तक दस लाख घरों में दस्तक देते हुए स्वास्थ्य विभाग की करीब दो हजार टीमें बुखार व अन्य रोग से ग्रसित लोगों को खोजेंगी। डीएम ने कहा मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है के वे अपने घर के आसपास साफ-सफाई रखकर वेक्टर जनित बीमारियों से अपने परिवार को बचा सकते हैं। जलभराव को लेकर ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. भवतोष शंखधर ने बताया दस्तक अभियान के दौरान आशा, एएनएम और आंगबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाएंगी और लोगों को वेक्टर जनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करेंगी। इस दौरान वे ज्वर, आइएलआइ (इन्फ्लूएंजा लाइक इलनेस), सारी (सीवियर एक्यूट रेस्पीरेटरी इन्फेक्शन) और टीबी के संदिग्ध मरीजों को चिह्नित करेंगी। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथलेश कुमार, नोडल अधिकारी डा.आरके गुप्ता, जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेन्द्र मिश्रा और संयुक्त जिला चिकित्सालय के सीएमएस डा. संजय तेवतिया आदि मौजूद रहे।

उद्योगों के दम पर तय हुआ सुई से सेटेलाइट तक का सफर

नोएडा। सुई से बनाने से लेकर सेटेलाइट, सबमरीन और फाइटर प्लेन बनाने तक का सफर उद्यमी और उनकी सकारात्मक सोच से संभव हो सका है। आज हम विश्व का सबसे सस्ता सेटेलाइट तैयार करने के साथ उसे अंतरिक्ष में स्थापित करने में सक्षम हैं। कृषि प्रधान देश के नाते हम चीनी, चावल, दाल, फल सब्जी के सबसे बड़े उत्पादक होने के साथ पूरे विश्व का पेट भर रहे हैं। उद्यमियों की सकारात्मक सोच और उदारता कोरोना महामारी के दौरान सबके सामने आई, उद्यमियों ने अपने-पराये का भेद किए बिना हर जरूरतमंद की खुले दिल से हर संभव मदद की। यही बात देश के उद्यमियों को अन्य देशों के उद्यमियों से अलग करती है। 17वीं शताब्दी से पहले पूरे विश्व की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की हिस्सेदारी 35 फीसद थी, एक बार फिर भारत उद्योगों के दम पर उसी स्थिति में पहुंचने के लिए तैयार हो रहा है।

लखीमपुर हिंसा पर सुप्रीम फटकार

रात तक किया इंतजार, क्यों नहीं अपलोड हुई स्टेटस रिपोर्ट? सरकार बोली- सुनवाई टाल दीजिए

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई जारी है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने में देरी पर यूपी सरकार को जमकर फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि कल रात एक बजे तक इंतजार करते रहे। आपकी स्टेटस रिपोर्ट हमें अंतिम समय में मिली है। जबकि पिछली सुनवाई के दौरान हमने आपको साफ कहा था कि कम से कम एक दिन पहले हमें स्टेटस रिपोर्ट मिल जानी चाहिए। वहीं इसके जवाब में यूपी सरकार की तरफ से पेश वकील हरीश साल्वे ने कहा कि हमने प्रगति रिपोर्ट दाखिल की है। आप मामले की सुनवाई शुक्रवार तक टाल दीजिए। हालांकि, शीर्ष

अदालत ने सुनवाई टालने से इनकार कर दिया।

आपने 44 लोगों की गवाही ली है, बाकी की क्यों नहीं:सुप्रीम कोर्ट

मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना ने यूपी सरकार से पूछा कि आपने 44 लोगों की गवाही ली है, बाकी की क्यों नहीं? साल्वे ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि फिलहाल प्रक्रिया चल रही है। साल्वे ने कहा कि दो अपराध हैं। एक मामला किसानों पर गाड़ी चढ़ाने का और दूसरा लिंचिंग का। पहले मामले में दस लोग गिरफ्तार किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने पूछा कि कुछ लोग न्यायिक हिरासत और कुछ पुलिस हिरासत में क्यों हैं ? सभी को पुलिस हिरासत क्यों नहीं? इसपर यूपी सरकार की ओर से बताया गया है कि चार आरोपी पुलिस हिरासत में हैं और छह आरोपी पहले पुलिस हिरासत में थे अब न्यायिक हिरासत में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवाहों और पीड़ितों के 164 के तहत बयान जल्द से जल्द दर्ज कराए जाएं। साथ ही गवाहों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए।

चोरी की स्कूटी पर करते थे झपटमारी, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। गीता कालोनी थाना पुलिस ने चोरी की स्कूटी पर झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बदमाशों की पहचान कुणाल वर्मा व अब्बासी और रिसीवर बंटी लाल कपूर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की दो स्कूटी और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तीनों ही गांधी नगर के रहने वाले हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि 14 अक्टूबर को शीतल नाम की महिला से गीता कालोनी में स्कूटी सवार बदमाशों ने मोबाइल झपटा था। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के लिए हेड कांस्टेबल दीपक व अन्य की टीम बनाई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, बदमाश कैमरे में कैद मिले। पुलिस ने उससे उनकी पहचान की और सोमवार को जाल बिछाकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस को उनके पास से एक चोरी की स्कूटी मिली, उनकी निशानदेही पुलिस ने एक और स्कूटी गांधी नगर से बरामद की पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह झपटमारी के मोबाइल दुकानदार बंटी को बेचते थे। बाद में पुलिस ने उसे भी दबोच लिया।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शराब तस्करी के आरोप में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31 काटरून (1497 क्वार्टर) हरियाणा निर्मित शराब बरामद की गई है। उक्त शराब मद्रासी कैंप झुग्गी, जंगपुरा व निजामुदीन में बेची जानी थी। डीसीपी अपराध शाखा मोनिका भारद्वाज के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम के मणि, मुरगन, मुरुगेसन व आनंद है।वहीं, नबी करीम इलाके में गला दबाकर एक व्यक्ति से मोबाइल लूटने वाले बदमाश को मध्य जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान दिनेश उर्फ चड्डी के रूप में हुई है। बदमाश की निशानदेही पर पुलिस ने लूटा हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है।

दिल्लीवासियों की सांसों पर वायु प्रदूषण का संकट, डीपीसीसी की टीमों की हर जगह है नजर, 90 लाख लग चुका जुर्माना

नई दिल्ली। धूल निरोधक अभियान के तहत दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की टीमों ने अब तक 1105 निर्माण स्थलों का दौरा किया है। इस दौरान 286 निर्माण स्थलों पर मानदंडों का उल्लंघन मिलने पर करीब 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्लीवासियों की सांसों पर प्रदूषण का जो संकट आने की संभावना है, उससे उन्हें बचाने के लिए धूल निरोधक अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां निर्माण कार्य से संबंधित दिल्ली सरकार की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए विकास कार्य करें, ताकि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने बताया कि इस अभियान को धरातल पर उतारने के लिए 31 टीमें बनाई गई हैं।

ये टीमें अनियमितता पाए जाने पर नोटिस जारी करने के साथ ही जुर्माने की कार्रवाई भी कर रही हैं। टीमों को प्रतिदिन की रिपोर्ट भी देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी निर्देश है कि धूल प्रदूषण करने वाली हर एक एजेंसी पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि धूल के प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार सोमवार को जहां एनसीआर के सभी शहरों का एयर इंडेक्स 50 से नीचे यानी अच्छी श्रेणी में था, वहीं मंगलवार को सभी जगह 50 से 100 के बीच दर्ज किया गया। हालांकि रिकार्डतोड़ बारिश की वजह से धूल और अन्य प्रदूषक तत्व फिलहाल दबे हुए हैं।

सफर इंडिया का पूर्वानुमान है कि अभी अगले दो से तीन हवा की गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में ही रह सकती है। मंगलवार को दिनभर मौसम साफ रहा और धूप भी खिली रही। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 31.2 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 19.9 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 56 से 96 फीसद दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि बुधवार को आसमान साफ रहेगा। हालांकि सुबह के समय थोड़ी धुंध छाई रहेगी।

वीवीआइपी काफिले में शामिल पुलिस के जवान अपने पास नहीं रख सकेंगे मोबाइल फोन

नई दिल्ली। वीवीआइपी काफिले और रूट पर किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश न रहे, इसके लिए सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने का आदेश जारी हुआ है। खासतौर से मोबाइल फोन को लेकर एक बार फिर आदेश जारी किया गया है। अक्सर ऐसे मामले सामने आए जब वीवीआइपी के सुरक्षा काफिले में शामिल व रूट पर तैनात सिक्योरिटी यूनिट के पुलिसकर्मी अपने पास मोबाइल फोन रखते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सिक्योरिटी यूनिट के विशेष आयुक्त आइडी शुक्ला ने आदेश जारी कर मोबाइल फोन रखने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। मोबाइल फोन की वजह से पुलिसकर्मियों का ध्यान न भटके, इसलिए यह नियम बनाया गया है।

यूनिट के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि वीवीआइपी की सुरक्षा ड्यूटी में यह प्रविधान है कि सुरक्षा काफिले में चलने के दौरान व रूट पर तैनात पुलिसकर्मी अपने पास मोबाइल फोन नहीं रखेंगे। इसके बावजूद अधिकतर पुलिसकर्मी अपने पास फोन रख लेते थे। कई बार पकड़े जाने पर कार्रवाई भी हो चुकी है। रूट पर तैनाती और काफिले में दो से चार घंटे की ड्यूटी लगती है।

नारायण साई को झटका: सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह का फरलो देने के गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को किया खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दुष्कर्म के मामले में दोषी, आसाराम बापू के बेटे नारायण साई को 14 दिन की फरलो दिए जाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को बुधवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फरलो कोई पूर्ण अधिकार नहीं है और इसे देना कई कारकों पर निर्भर करता है। अदालत ने कहा कि साई की कोठरी से एक मोबाइल फोन मिला था, इसलिए जेल अधीक्षक ने राय दी थी कि उसे फरलो नहीं दी जानी चाहिए।

एक अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था

बता दें कि इससे पहले एक अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम के बेटे और दुष्कर्म के दोषी नारायण साई को दो हफ्ते की 'फरलो' दिए जाने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ गुजरात सरकार की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। राज्य

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि नारायण साई को फरलो नहीं दिया जाना चाहिए क्योंकि वह जेल में रहते हुए भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है।

पिता आसाराम की देखरेख करने के लिए की थी फरलो की मांग :नारायण साई ने कोरोना वायरस से संक्रमित रहे अपने पिता आसाराम की देखरेख करने के लिए फरलो की मांग की है। प्रदेश सरकार ने इसका विरोध करते हुए कहा कि आसाराम उपचार के बाद अब फिर से जेल में है। नारायण साई और उसके पिता आसाराम को दुष्कर्म के अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है तथा वे आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

दिल्ली के किसानों के लिए खुशखबरी, फसल खराब होने पर मुआवजा देगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि जिन किसानों फसल बारिश से खराब हुई है उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों को 50 हजार रुपये हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा राशि दी जाएगी। इसके लिए डीएम द्वारा उनके खेतों की पैमाइश की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार किसानों के साथ खड़ी है। पहले भी किसानों की मदद की गई है अब भी की जाएगी।

दरअसल इस बार सितंबर और अक्टूबर के माह में बरसात होने की वजह से किसानों की फसल बर्बाद हो गई है। कई जगह खेतों में खड़ी फसल पानी में डूब गई है, किसान अपने खेत में खड़ी फसल में पानी भर जाने की वजह से दुखी भी है। कुछ दिन पहले दिल्ली के किसानों ने सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी, उन्हें बताया था कि इस बार बेमौसम बरसात की वजह से फसलें खराब हो गई हैं वो पूरी

तरह से बर्बाद हो गए हैं।

किसानों से उनसे मदद की गुहार लगाई थी, इस बात को ध्यान में रखते हुए अब केजरीवाल सरकार की ओर से किसानों की मदद का ऐलान किया गया है। उन्होंने किसानों से कहा कि जिनकी फसल खराब हो गई है उनकी हर तरह से मदद की जाएगी। फिलहाल मुआवजे की राशि 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर रखी गई है। ये राशि उन किसानों को दी जाएगी जिनकी फसल बरसात की वजह से खराब हो गई है और किसी लायक नहीं रह गई है। मालूम हो कि इस बार बरसात ने बीते 65 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है, दिल्ली सहित देश के कई राज्य अभी भी बरसात की विभीषिका झेल रहे हैं। दिल्ली में भी इतनी बरसात पहले कभी नहीं देखी गई थी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बरसात की वजह से बुरा हाल रहा था, दो दिनों तक लगातार रुक-रुक कर हुई बरसात ने आफत मचा दी थी। इसी बरसात से किसानों को भी नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसल खेतों में खड़ी थी, बरसात का पानी भर जाने की वजह से वो खराब हो गई।

देश में अगले 3-4 सालों में 200 एयरपोर्ट का नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार देश के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में काफी तेजी से काम कर रही है। पीएम मोदी के कार्यकाल में सरकार का जोर देश में हवाई सेवाओं के विस्तार पर रहा है। इसी दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए पीएम मोदी ने देश के बौद्ध तीर्थ स्थलों को दुनियाभर के पर्यटकों से जोड़ने के लिए कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय तीर्थ यात्रियों को भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल पर जाने में सुविधा प्रदान करेगा। इसे भारत के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इस उद्घाटन समारोह के दौरान भारत के सिविल एविएशन सेक्टर के वर्तमान हालात और भविष्य को लेकर भी बात की गई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए कहा की उनकी सरकार की कोशिश होगी कि अगले 3-4 साल में देश में 200 से ज्यादा एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वाटर डोम का नेटवर्क तैयार किया जाए।

उड़ान योजना से मिली रफ्तार

पीएम मोदी के मुताबिक, मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी उड़ान(छ्रह) योजना के तहत पिछले कुछ वर्षों में 900 से अधिक नए हवाई मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 350 से अधिक पर हवाई सेवा शुरू हो गई है। 50 से अधिक नए हवाई अड्डे या बंद पड़ी हवाई पट्टियां जो पहले सेवा में नहीं थे उन्हें UDAN योजना के तहत चालू

कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने 'उड़ान' योजना के तहत छोटे शहरों को वायु सेवा से जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इस योजना के तहत बंद पड़ी हवाई पट्टियों और सेना के एयरबेस का इस्तेमाल नागरिक उड़ानों के लिए किया जाना है। इसके अलावा नए एयरपोर्ट भी बनाए जा रहे हैं ताकि हवाई यात्रा का सफर करने वाले यात्रियों को सुविधा मिल सके। पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय के मंत्री कई बार यह बोल चुके हैं कि उनका लक्ष्य चप्पल पहनने वाले को हवाई सफर करवाना है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में कितने एयरपोर्ट बने ?

देश में हवाई यात्रा को बढ़ावा देने के मकसद से केंद्र की मोदी सरकार ने अपने दोनों ही कार्यकालों में काफी काम किया है। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुताबिक, देश में पिछले 70 सालों में सिर्फ 75 हवाई अड्डे बनाए गए थे। वहीं पिछले सात सालों में मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान देशभर में 61 नए हवाई अड्डे बनाए गए हैं।

इन सभी हवाई अड्डों को बनाने का उद्देश्य छोटे शहरों में हवाई यात्रा मुहैया कराना रहा जिससे आम लोगों को विमान में सफर करने का मौका मिल सके।

देश में कुल कितने एयरपोर्ट हैं ?: एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के मुताबिक देश में अभी कुल 486 एयरपोर्ट हैं। इनमें से चालू हालत में भी कई नहीं हैं। जबकि, कईयों का इस्तेमाल सेना करती है। जबकि देश में इस वक्त कुल 34 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। सबसे अधिक चार-चार अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तमिलनाडु और केरल में हैं। उत्तर भारत के किसी भी राज्य में दो से अधिक एयरपोर्ट नहीं हैं।

अकेले यूपी में पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

कुशीनगर एयरपोर्ट के उद्घाटन और आने वाले समय में अयोध्या एयरपोर्ट के साथ बहुत जल्द यहां पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे होंगे। जबकि 21 एयरपोर्ट और सात हवाई पट्टियों के क्रियाशील होने की प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश सबसे अधिक पांच अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बनने को तैयार है। सरकार वर्ष 2024 तक जेवर से भी अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है।

एक भाजपा कार्यकर्ता उठाएगा 15 परिवारों का जिम्मा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव में जीत दोहराने के लिए भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जनसंपर्क अभियान के साथ ही बूथ प्रबंधन पर पार्टी का विशेष जोर है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि चुनाव जीतने के लिए बूथ को मजबूत करना जरूरी है। इसे ध्यान में रखकर जमीन पर प्रभाव रखने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज तैयार की जा रही है। एक कार्यकर्ता के जिम्मे 10 से 15 परिवार होंगे। पहले बूथ स्तर पर पांच कार्यकर्ताओं की टोली होती थी, इस बार इनकी संख्या बढ़ाकर 21 की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी की कोशिश लगातार चौथी बार निगमों में केसरिया परचम फहराने की है और इसके लिए रणनीति बनाकर जमीन पर काम शुरू कर दिया गया है। छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से मोदी सरकार की नीतियों व उपलब्धियों और निगमों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की कवायद हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता झुग्गी बस्तियों में प्रवास कर जनसंवाद कर रहे हैं। बैठकों और जनसंवाद से भाजपा नेता आम आदमी पार्टी सरकर की नीतियों और वादों पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। जनता से जुड़ाव बढ़ाने के लिए कार्यकर्ता उनसे नियमित संपर्क करेंगे।

काम पर रहेगी प्रदेश की नजर

पन्ना प्रमुखों के कामकाज पर नजर रखने और उनकी समस्या के समाधान के लिए प्रदेश से लेकर मंडल तक नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा संयोजक बनाए गए हैं। प्रत्येक जिले व मंडल में भी संयोजक बनाए गए हैं।

छह नवंबर तक पन्ना प्रमुखों की हो हो जाएगी तैनाती

स्थानीय जुड़ाव की जिम्मेदारी पन्ना प्रमुखों पर होगी। सभी 13789 बूथ पर योग्य पन्ना प्रमुख तैनात करने का काम चल रहा है। छह नवंबर तक यह काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक पन्ना प्रमुख के जिम्मे अधिकतम 15 परिवार होंगे। यह भी ध्यान रखा जा रहा है कि इन परिवारों में संपर्क रखने वाले कार्यकर्ता को ही यह जिम्मेदारी दी जाए। वह चुनाव तक नियमित रूप से इन परिवारों के बीच में जाकर भाजपा की नीतियों, केंद्र सरकार और निगमों की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। उनकी परेशानी भी हल कराने की कोशिश होगी।

कार्यकर्ता कनेक्ट एप पर उपलब्ध होगा पूरा विवरण

पन्ना प्रमुख पिछले चुनावों में भी बनाए जाते थे, लेकिन इनकी सक्रियता पर सवाल खड़े होते रहे हैं। कई बार सिर्फ कागजों पर इनकी तैनाती रह जाती थी। इस बार इनकी तैनाती व काम में पारदर्शिता लाने की कोशिश है। पन्ना प्रमुख का विवरण भाजपा के मोबाइल एप कार्यकर्ता कनेक्ट पर डाला जाएगा। विवरण जमा करने के बाद सत्यापन के लिए उसके मोबाइल नंबर पर ओटीपी जाएगा, जिसे मोबाइल एप पर भरना होगा। बाद में फोन करके भी उसकी सत्यता की जांच होगी।

झुग्गीवासियों को साथ जोड़ने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता झुग्गी सम्मान यात्र निकाल रहे हैं। 29 नवंबर तक चलने वाली इस यात्रा में वह 33 विधानसभा क्षेत्रों में स्थित झुग्गीवालों के बीच जाएंगे। अब इनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय नेता भी यात्रा में शामिल होंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि झुग्गी

सम्मान यात्रा अब तक सफल रहा है। इससे झुग्गी में रहने वालों को पार्टी के साथ जोड़ने में मदद मिल रही है। कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है। अब इसे और बेहतर बनाने की कोशिश हो रही है। इसी कड़ी में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों को इस यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरुणाचल पर चीन की नापाक निगाहें, सीमा पर बढ़ाई तैनाती, भारत मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार

रूपा। पूर्वी लद्दाख में डेढ़ साल से तनाव के बीच चीनी सेना की अब अरुणाचल प्रदेश से सटी सरहद के भीतरी हिस्सों में सैन्य ड्रिल और तैनाती को लेकर भारत सतर्क है। भारतीय सेना ने सुरक्षा संबंधी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए आपात योजना तैयार कर ली है। पूर्वी कमान के कमांडर ले. जनरल मनोज पांडे ने बताया, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सालाना प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी इस बार गतिविधियां बढ़ी हैं, उसके सैनिकों को सीमावर्ती भीतरी इलाकों में तैनात किया जा रहा है। ले. जनरल पांडे ने यह भी बताया, दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं, इससे कुछ विवाद पैदा होते रहते हैं। सैन्य तैनाती भी बढ़ाई जा रही है। चीन द्वारा पूर्वोत्तर भारत में भूटान के साथ कूटनीतिक रिश्ते बनाने की कोशिशों से भी भारत में चिंता है। चीन-भूटान में दशकों पुराने सीमा विवाद पर हुए समझौते पर सीधे कुछ न कहते हुए ले. जनरल ने उम्मीद जताई कि यह समझौता सरकारी अधिकारियों की नजर में होगा।

सीमा पर गांव बसा रहा चीन भारत कर रहा है निगरानी–ले. जनरल पांडे ने कहा कि सीमा के करीब चीन नए-नए गांव बसा रहा है। भारत इसके अनुसार रणनीति बना रहा है, क्योंकि आबादी वाले क्षेत्रों का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्य के लिए हो सकता है।

ले. जनरल ने पूर्वी भारत के 1300 किमी लंबी एलएसी पर सेना की तैयारियों का जायजा लिया और बताया कि भारतीय सेना का माउंटेन स्ट्राइक कोर अब पूरी तरह काम करने लगा है।

समझौते-प्रोटोकॉल तोड़ने पर उच्चस्तरीय चर्चा–चीन द्वारा सीमा समझौते और प्रोटोकॉल तोड़ने पर उच्चस्तरीय चर्चा हुई है। हाल में चीन-भारत के बीच चौथी हॉटलाइन शुरू हुई है।

भ्रष्टाचार पर बोले पीएम मोदी

देश लूटने वाले लोग कितने भी ताकतवर क्यों न हो, हमारी सरकार उसे नहीं छोड़ती

नई दिल्ली। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आज पीएम मोदी ने सीवीसी और सीबीआई के संयुक्त सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंन देश में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर बड़ी बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार छोटा हो या बड़ा, वो किसी ना किसी का हक छीनता है। ये देश के सामान्य नागरिक को उसके अधिकारों से वंचित करता है। राष्ट्र की प्रगति में बाधक होता है और एक राष्ट्र के रूप में हमारी सामूहिक शक्ति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि बीते 6-7 सालों के निरंतर प्रयासों से हम देश में एक विश्वास कायम करने में सफल हुए हैं, कि बढ़ते हुए करप्शन को रोकना संभव है। आज देश को ये विश्वास हुआ है कि बिना कुछ लेन-देन के, बिना बिचौलियों के भी सरकारी योजनाओं का

लाभ मिल सकता है।

देश लूटने वाले लोग कितने ही ताकतवर क्यों न हो हम उसे नहीं छोड़ते

आज देश को ये भी विश्वास हुआ है कि देश को धोखा देने वाले, गरीब को लूटने वाले, कितने भी ताकतवर क्यों ना हो, देश और दुनिया में कहीं भी हों, अब उन पर रहम नहीं किया जाता, सरकार उनको छोड़ती नहीं है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए हमारी सरकार प्रो पीपल, प्रोएक्टिव गवर्नेंस को सशक्त करने में जुटी है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़ी नई चुनौतियों के सार्थक समाधान तलाशने के लिए आप सब सरदार वल्लभ भाई पटेल के सानिध्य में महामंथन के लिए जुटे हैं। सरदार पटेल ने हमेशा गवर्नेंस को भारत के विकास का, जन सरोकार का, जन हित का आधार बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए निरंतर प्रयास

पीएम मोदी ने कहा कि हमने देशवासियों के जीवन से सरकार के दखल को कम करने को एक मिशन के रूप में लिया। हमने सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। मैक्सिमम गवर्नमेंट कंट्रोल के बजाय मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस पर फोकस किया।

हमारी सरकार देश के नागरिकों पर संदेह नहीं करती

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश में जो सरकार है, वो देश के नागरिकों पर विश्वास करती है, उन्हें शंका की नजर से नहीं देखती। इस भरोसे ने भी भ्रष्टाचार के अनेकों रास्तों को बंद किया है। इसलिए दस्तावेजों की वैरीफिकेशन के लेयर्स को हटाकर, करप्शन और अनावश्यक परेशानी से बचाने का रास्ता बनाया है। जब हम ट्रस्ट और टेक्नॉलॉजी के दौर में आगे बढ़ रहे हैं, तो आप सभी साथियों, आप जैसे कर्मयोगियों पर देश का ट्रस्ट भी उतना ही अहम है। हम सभी को एक बात हमेशा याद रखनी है- राष्ट्र प्रथम ! हमारे काम की एक ही कसौटी है- जनहित, जन-सरोकार।

> **“भ्रष्टाचार छोटा हो या बड़ा, वो किसी ना किसी का हक छीनता है। ये देश के सामान्य नागरिक को उसके अधिकारों से वंचित करता है। राष्ट्र की प्रगति में बाधक होता है और एक राष्ट्र के रूप में हमारी सामूहिक शक्ति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि बीते 6–7 सालों के निरंतर प्रयासों से हम देश में एक विश्वास कायम करने में सफल हुए हैं, कि बढ़ते हुए करप्शन को रोकना संभव है।**

भारत अब 100 करोड़ के लक्ष्य से महज एक 'कदम' दूर, राज्यों के पास वैक्सीन का भंडारण 10 करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण को लेकर 100 करोड़ का लक्ष्य पूरा करने के लिए भारत अब महज एक कदम दूर है। मंगलवार शाम तक देश में कुल टीकाकरण 99 करोड़ पार हो चुका है, जिसके बाद अब लक्ष्य पूरा करने के लिए एक करोड़ टीकाकरण की आवश्यकता है। माना जा रहा है कि बुधवार शाम तक भारत यह लक्ष्य बड़ी आसानी के साथ हासिल कर सकता है, जिसके साथ ही दुनिया में सबसे अधिक कोरोना वैक्सीन लगाने वाला एकमात्र देश बन जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक देश में कोरोना टीकाकरण 99 करोड़ पार हो चुका है। इनमें से करीब 29 करोड़ लोग दोनों खुराक लेकर टीकाकरण पूरा कर चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों के पास वैक्सीन का भंडारण भी 10.42 करोड़ तक पहुंच गया है। देश के 67 हजार से भी ज्यादा केंद्रों पर कोरोना टीकाकरण चल रहा है।

लगातार दूसरे दिन देश में कोरोना के 13 हजार नए मरीज

देश में करीब 231 दिन बाद लगातार दूसरे दिन 13 हजार से अधिक लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि पिछले एक दिन में संक्रमण के 13,058 नए मामले सामने आए हैं और 164 लोगों की मौत हो गई है। फिलहाल देश में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,40,94,373 हो गई है और अब तक कुल 4,52,454 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं, सक्रिय मरीजों की संख्या में लगातार कमी देखने को मिल रही है।

राज्यों के पास 10 करोड़ से अधिक टीके की खुराकें

10 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की खुराकें राज्यों के पास हैं। ऐसे में जिन लोगों को दूसरी खुराक लेने का वक्त आया है उन्हें प्राथमिकता के तौर पर वैक्सीन मिलना अनिवार्य है। वहीं, दूसरी खुराक लेने वालों की संख्या भी काफी तेजी से बढ़ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि दूसरी खुराक देने में किसी भी प्रकार की कोई चूक नहीं होनी चाहिए। सभी राज्य टीकाकरण को लेकर जिला वार स्थिति की समीक्षा करें।

हादसे में ट्रक को नुकसान पर 3.25 लाख रुपये मुआवजा दे बीमा कंपनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निस्तारण आयोग के एक फैसले को रद्द करते हुए बीमा कंपनी को हादसे में ट्रक को हुए नुकसान पर ग्राहक को 3.25 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। आयोग ने ट्रक मालिक की मुआवजे की अर्जी को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि अधिक संख्या में यात्रियों के कारण हादसा नहीं हुआ।

जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस वी रामसुब्रमण्यन की पीठ ने आयोग के तर्क को स्पष्ट रूप से गलत बताया और बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस को ट्रक के मालिक को 3.25 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। पीठ ने अपने 30 सितंबर के आदेश में कहा, लापरवाही से वाहन चलाने के कारण यात्री को देय मुआवजे के लिए तीसरे पक्ष के दावे के बीच स्पष्ट अंतर है, जबकि वर्तमान मामला खुद को हुए नुकसान का है। यह ट्रक में सवार यात्रियों की संख्या पर किसी तरह निर्भर नहीं है। ऐसे में आयोग का फैसला कानून संगत नहीं है और इसे रद्द किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को खारिज करते हुए कहा है कि सार्वजनिक सेवा का काम कर रहे अधिकारियों को कोर्ट में समन करना गैर जरूरी है। मामला प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक के एक कर्मचारी की बर्खास्तगी से जुड़ा है। इस कर्मचारी की याचिका पर बैंक के चेयरमैन और क्षेत्रीय प्रबंधक को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समन भेज कर तलब किया था। जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस वी रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश पर नाखुशी जताते हुए कहा कि हमें इन दोनों अधिकारियों को समन करने का कोई कारण नहीं दिखता। यदि हाईकोर्ट को लगता है कि संबंधित कर्मचारी की बर्खास्तगी सही नहीं है तो कोर्ट इस बारे में आदेश पारित करने में सक्षम है। इसके लिए सार्वजनिक सेवा में रत अधिकारियों को तलब करना गैर जरूरी है। आठ अक्तूबर के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया।

सरकारी योजना से साकार होगी चुनावी योजना? BJP का 5 राज्यों के लिए मास्टरप्लान तैयार

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुए लोगों के पास पहुंचेंगे। लाभार्थियों के साथ संवाद और समन्वय के जरिए पार्टी की चुनावी जमीन को मजबूत करने का काम बूथ स्तर पर किया जाएगा। इसमें पार्टी के लाखों कार्यकर्ता अलग-अलग टोली के जरिए जुटेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हुए मंथन में सबसे ज्यादा जोर पांच राज्यों की चुनावी रणनीति पर रहा। पार्टी नेतृत्व ने यह विश्वास तो जताया कि जिन राज्यों में वह सत्ता में है, वहां फिर से सत्ता में आएगी और पंजाब में वह मजबूती से उभरेगी। लेकिन पार्टी इसे लेकर किसी तरह के अति आत्मविश्वास में नहीं है। वह इन चुनाव को भी हर चुनाव की तरह पूरी ताकत से लड़ेगी। हालांकि, इस बार वह वादों से ज्यादा सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए लोगों तक वादों पर अमल की सूची लेकर जाएगी। इन लाभार्थियों के साथ सम्मेलनों के जरिए और अलग से भी संवाद के जरिए संपर्क करेगी और उन्हें विश्वास दिलाएगी कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।इसूत्रों के अनुसार पार्टी परोक्ष रूप से यह संदेश भी देगी कि बदलाव की स्थिति में उसे मिल रहे लाभ समाप्त हो जाएंगे। लाभार्थी तक पहुंचने और दूसरे लोगों को इस मुहिम में जोड़ने के लिए पार्टी अगले एक माह में विस्तृत अभियान चलाएगी। पार्टी महासचिव इन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं और जल्दी ही राज्यों के साथ समन्वय कर उन पर अमल किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर पर तो कार्यक्रम होंगे ही बूथ स्तर पर भी संपर्क किया जाएगा।

योजनावार लाभार्थियों से संपर्क होगा

अलग-अलग टोलियों में पार्टी कार्यकर्ता केंद्र की विभिन्न योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, जन धन योजना, सौभाग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्जवला योजना, स्व निधि योजना, गरीबों को मुफ्त अनाज जैसी तमाम योजनाओं की फेहरिस्त लेकर जाएंगे और इनके लाभार्थियों को पार्टी और सरकार की नीति और नीतियों के साथ जोड़कर अगले चुनाव के लिए उनका समर्थन हासिल करेंगे।

कांग्रेस की रणनीति और वादों में ही रह गए किसान? दो साल से खाली यह पद

नई दिल्ली। कांग्रेस खुलकर किसान आंदोलन का समर्थन कर रही है। किसानों के आंदोलन के समर्थन में पार्टी किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। पार्टी शासित राज्यों में खुद को किसानों का सबसे बड़ी हितैषी साबित करने की होड़ है। इसके बावजूद पार्टी दो साल से कोई किसान नेता नहीं तलाश कर पाई है, जो पार्टी की किसान एवं खेत मजदूर कांग्रेस की जिम्मेदारी संभाल सके। किसान एवं खेत मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष का पद पिछले करीब दो साल से खाली है। कृषि कानूनों को लेकर पूरे देश में चल रहे किसान आंदोलन के बावजूद पार्टी को किसान कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त करने की फुर्सत

पार्टी शासित राज्यों में खुद को किसानों का सबसे बड़ी हितैषी साबित करने की होड़ है। इसके बावजूद पार्टी दो साल से कोई किसान नेता नहीं तलाश कर पाई है, जो पार्टी की किसान एवं खेत मजदूर कांग्रेस की जिम्मेदारी संभाल सके। किसान एवं खेत मजदूर कांग्रेस अध्यक्ष का पद पिछले करीब दो साल से खाली है।

नहीं मिली है। जबकि किसान पार्टी की राजनीति के केंद्र में है। हर चुनावी राज्य में पार्टी किसानों की ऋण माफी और कृषि कानूनों को रद्द करने का वादा कर रही है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दिसंबर 2019 को किसान कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद अभी तक नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। जबकि पार्टी में लगातार नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। चुनावी राज्यों के साथ दूसरे प्रदेशों में भी बदलाव हो रहे हैं। पर पार्टी किसान कांग्रेस का नया अध्यक्ष नहीं तलाश कर पाई है। किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोलंकी ने नाना पटोले के बाद कुछ सक्रियता दिखाई। पर अपने पिता के निधन के बाद सोलंकी ने पालम 360 खाप के प्रधान की जिम्मेदारी संभाल ली। इसके बाद वह लगातार खाप का काम संभाल रहे हैं। पार्टी मुख्यालय में स्थित किसान कांग्रेस के दफ्तर में कोई नेता बैठने वाला नहीं है, इसलिए दफ्तर में दूसरे विभाग के जुड़े पदाधिकारी बैठ रहे हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि किसान कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर जल्द नियुक्ति होनी चाहिए। क्योंकि इससे यह संदेश जाता है कि पार्टी किसानों की बात जरूर करती है, पर वह किसानों को लेकर बहुत गंभीर नहीं है। दो साल से किसान कांग्रेस में कोई अध्यक्ष तक नहीं है।

जान का खतरा देख कश्मीर छोड़ रहे प्रवासी, बिहार जाने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग

पटना। जम्मू कश्मीर में हालिया आतंकी घटनाओं में मारे गए गैर कश्मीरी लोगों की हत्या से वहां रहने वाले खौफ के साये में रहने को विवश हैं। जम्मू में हालत थोड़े सामान्य जरूर हैं, लेकिन कश्मीर की हालत ठीक नहीं है। अभी वहां नहीं लौटेंगे। यह कहना है सीवान के रहने वाले मो मसीद रहमान का। कश्मीर में मिस्त्री का काम करने वाले मसीद जम्मू से नई दिल्ली पहुंचने के बाद वहां से पटना पहुंचे थे। 03414 दिल्ली मालदा टाउन फरक्का एक्सप्रेस से जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या दो पर आए मसीद ने बताया कि कश्मीर में जो कुछ हुआ, वह बहुत गलत हुआ। अब आगे ऐसा किसी भी गैर कश्मीरी के साथ नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि मिस्त्री का काम और सेव बगान में काम करने वाले लोगों से भला कौन-सी दुश्मनी आतंकी निकाल रहे हैं।

भोले-भाले लोगों को टारगेट करके मारने के सवाल पर वहां से आए सूरज कुमार ने बताया कि वहां हमें लोकल सपोर्ट नहीं मिला। बताया कि काम करने के बाद सीधे खाना खाकर हमलोगों को घर में बंद होना पड़ रहा है। सूर्यास्त से पहले ही घरों में ताले लग रहे हैं। आखिर, अपने देश में ही ऐसी विवशता नागरिक क्यों बर्दाश्त करेंगे? ट्रेन की बोगी संख्या एस आठ से आ रहे सुबोध सिंह ने

बताया कि वहां जम्मू के एक निजी फर्म में काम करके जीवन यापन चलाते हैं। कहा कि सरकार की ओर से लोगों के जान की रखवाली की व्यवस्था समय की मांग है।

यात्रियों ने कहा, जान है तो जहान है

जम्मू से वाया दिल्ली लौटे यात्रियों ने बताया कि कश्मीर के हालात ऐसे हो गए हैं कि वहां रहने में डर लगने लगा है। कश्मीर के सेब लोडिंग के काम से जुड़े अरमान ने बताया कि उन्हें छठ के समय में बिहार आना था, लेकिन स्थिति असामान्य होने की वजह से आना पड़ गया। कहा कि पहले जान है तो जहान है। जिंदगी रहने के बाद तो आदमी कहीं भी कमा खा लेगा। नालंदा निवासी बंटी ने बताया कि पिछले छह वर्ष से जम्मू में काम कर रहे थे। लेकिन अब डर की वजह से अपने गांव जा रहे हैं। अब गांव में ही कमाएंगे खाएंगे।

जम्मू से बिहार आने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग

जम्मू कश्मीर में लक्षित हमलों के कारण वहां से काफी संख्या में लोगों का पलायन शुरू हो चुका है। स्थिति यह है कि वहां से आने वाली ट्रेनों में भी लंबी वेटिंग चल रही है। जम्मूतवी से बक्सर, आरा, पटना, मोकामा, किउल के रास्ते हावड़ा जाने वाली 02332 जम्मूतवी हावड़ा फेस्टिवल स्पेशल में अभी से नवंबर के पहले हफ्ते तक टिकट उपलब्ध नहीं है। इस ट्रेन में 21 अक्टूबर को 318 वेटिंग, 24 अक्टूबर को 236 वेटिंग, 25 अक्टूबर को 252 वेटिंग, 28 अक्टूबर को 257 वेटिंग, 31 अक्टूबर को 281 वेटिंग और एक नवंबर को 308 वेटिंग है। इसी तरह जम्मूतवी से हफ्ते में दो दिन पटना आने वाली 02356 जम्मूतवी पटना फेस्टिवल स्पेशल भी फुल है। इस ट्रेन में आज यानी 20 अक्टूबर को 271 वेटिंग है। 24 अक्टूबर को 225 वेटिंग, 27 को 188 वेटिंग, 31 को 233 वेटिंग, तीन नवंबर को 223 वेटिंग और सात नवंबर को 150 वेटिंग है। दोनों ट्रेनों में वेटिंग की यह सूची शयनयान श्रेणी की है। बाकी श्रेणी में भी सीटें उपलब्ध नहीं है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com